देश की आवाज

हमारा स्वराज

भोपाल, इंदौर, उज्जैन से प्रकाशित

www.hamaraswaraj.com | twitter.com/hamaraswaraj | facebook.com/hamaraswaraj

भोपाल, बुधवार, 02 जुलाई 2025

वर्ष: 14| अंक: 105 | पृष्ठ: 08 | मूल्य: 2 रुपए

निर्विरोध चुने गए प्रदेश अध्यक्ष

भाजपा की कमान हेमंत के हवाले

हमारा स्वराज, भोपाल। मध्य प्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष को लेकर तस्वीर साफ हो गई है। प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए सिर्फ हेमंत खंडेलवाल ने ही नामांकन किया है, उनके अलावा किसी अन्य सदस्य ने दावेदारी पेश नहीं की है। ऐसे में हेमंत खंडेलवाल का निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष बनना तय माना जा रहा है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि बुधवार को प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में उनके नाम का औपचारिक एलान किया जाएगा। नामांकन प्रक्रिया के दौरान प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा ने सीएम डॉ. मोहन यादव को इशारा किया और सीएम खंडेलवाल को मंच पर ले गए। सीएम डॉ. मोहन उनके प्रस्तावक बने। खंडेलवाल पहली पंक्ति में मंत्री वीरेंद्र खटीक और गोपाल भार्गव के बीच में बैठे थे। सीएम मोहन यादव इशारा मिलते ही उनको पीठ पर हाथ रखकर मंच की ओर बढ़े। चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान, निर्वाचन अधिकारी विवेक शेजवलकर और पर्यवेक्षक सरोज पांडे के सामने उन्होंने नामांकन दाखिल कराया। इस दौरान शिवराज सिंह चौहान, ज्योतिरादित्य सिंधिया, वीरेंद्र कुमार खटीक समेत पार्टी के लगभग सभी बड़े नेता मौजूद रहे। लेकिन कैलाश विजयवर्गीय नरोत्तम मिश्रा, कमल पटेल और सुधीर गुप्ता कार्यालय नहीं पहुंचे।

खंडेलवाल मूल रूप से उत्तर प्रदेश के मथुरा के रहने वाले हैं। उनका जन्म 3 सितंबर 1964 को मथुरा में हुआ था। खंडेलवाल को राजनीति और समाजसेवा के संस्कार अपने पिता स्वर्गीय विजय कुमार खंडेलवाल से विरासत में मिले हैं। विजय कुमार खंडेलवाल भाजपा से सांसद रह चुके हैं। पिता के निधन के बाद हेमंत खंडेलवाल ने उनकी राजनीतिक और समाजिक विरासत संभाली। हेमंत अपने पिता के समय से ही जनसेवा के लिए समर्पित रहे हैं।

पिता के निधन के बाद राजनीति में आए, पहला चुनाव जीते

हेमंत खंडेलवाल के सक्रिय राजनीतिक सफर की शुरुआत 2008 में हुई थी। दरअसल, पिता विजय कुमार खंडेलवाल के निधन से बैतूल लोकसभा सीट खाली हो गई। इस दौरान हुए उपचुनाव में भाजपा ने हेमंत खंडेलवाल को टिकट देकर चुनावी मैदान में उतारा। हेमंत का सामना कांग्रेस प्रत्याशी सुखदेव पांस से था, जिन्हें हराकर वे लोकसभा पहुंचे थे। इसके बाद वे 2013 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के हेमंत वागद्रे को हराकर विधायक बने और 2018 तक बैतूल विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। 2018 के विस चुनाव में भाजपा ने उन्हें फिर से प्रत्याशी बनाया, लेकिन इस बार वे कांग्रेस के निलय डागा से चुनाव हार गए। पांच साल बाद 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने एक बार फिर खंडेलवाल पर भरोसा जताया। इस दौरान उन्होंने निलय डागा को हराकर अपनी पारिवारिक सीट पर फिर से कब्जा कर लिया।

जनसेवा से बनाई अपनी पहचान

हेमंत खंडेलवाल ने अपने राजनीतिक जीवन में हमेशा जनता की समस्याओं को प्राथमिकता दी है। क्षेत्र के विकास, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और किसानों के मुद्दों पर वे हमेशा मुखर और सक्रिय रहे हैं। उनके प्रयासों से बैतूल में कई विकास योजनाएं क्रियान्वित की गईं, जिनका आमजन को सीधा लाभ मिला है।

सांसद, विधायक ही नहीं कोषाध्यक्ष भी रहे

हेमंत खंडेलवाल भाजपा की ओर से सांसद और विधायक रहने के साथ-साथ पार्टी में भी जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। वे मप्र भाजपा के कोषाध्यक्ष रह चुके हैं। कुशाभाऊ ठाकरे विचार न्यास के अध्यक्ष भी हैं। इसके अलावा भी उन्होंने पार्टी और संगठन में कई जिम्मेदारियां संभाली है।

पिता के निधन के बाद चुनाव लड़ा।
साल 2008 के उपचुनाव में बैतूल सांसद बने।
2013 से 2018 तक विधायक रहे।
2018 में विधायक का चुनाव हारे।
2023 में दूसरी बार बने विधायक।
2024 में कुशाभाऊ ठाकरे विचार न्यास के अध्यक्ष बने।
भाजपा में प्रदेश कोषाध्यक्ष भी रहे।
संगठन विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाई।

आज सुबह 10:30 बजे बड़ी बैठक

बुधवार को सुबह 10:30 बजे संगठन की बड़ी बैठक होगी। माना जा रहा है इसी दौरान या इसके बाद खंडेलवाल के निर्विरोध निर्वाचन का औपचारिक ऐलान होगा। हेमंत खंडेलवाल के नया प्रदेशाध्यक्ष चुने जाने के बाद बैतूल भाजपा कार्यालय विजय भवन में कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी भी की। एमपी भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के साथ ही भाजपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य के लिए भी नामांकन भरे गए हैं।

हिमाचल के मंत्री पर अपनी ही सरकार में FIR

हमारा स्वराज। शिमला

हिमाचल प्रदेश के मंत्री अनिरुद्ध सिंह पर अपनी ही सरकार में शिमला में FIR दर्ज हो गई है। पंचायती राज मंत्री पर आरोप है कि उन्होंने नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (NHAI) के प्रोजेक्ट मैनेजर और साइट इंजीनियर को कमरे में ले जाकर पीटा। इसके अलावा पानी से भरा घड़ा मारकर सिर फोड़ दिया। अधिकारियों से मारपीट का पता चलते ही केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कड़ा रुख दिखाया। उन्होंने CM सुखविंदर सुक्खू को कहा कि इस मामले में कार्रवाई की जाए। जिसके बाद CM सुक्खू ने भी वीडियो जारी कर कहा कि उन्होंने गडकरी को कानून के मुताबिक कार्रवाई का भरोसा दिया था। मंत्री ने कहा कि वे कोई बयान नहीं देना चाहते।

कर्नाटक में कुर्सी की खींचतान शुरु

हमारा स्वराज। नई दिल्ली

कर्नाटक कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद को लेकर अंदरूनी खींचतान तेज हो गई है। इस बीच कांग्रेस नेता और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला बेंगलुरु दौरे पर पहुंचे हैं और पार्टी विधायकों के साथ लगातार मीटिंग कर रहे हैं।

डिप्टी CM डीके शिवकुमार के करीबी विधायक इकबाल हुसैन ने दावा किया कि करीब 100 विधायक मुख्यमंत्री बदलने के पक्ष में हैं। अगर अब बदलाव नहीं हुआ, तो 2028 का चुनाव कांग्रेस नहीं जीत पाएगी। हुसैन ने NDTV से बातचीत में कहा, हम सुरजेवाला से यह मुद्दा खुलकर उठाएंगे। शिवकुमार ने पार्टी के लिए दिन-रात मेहनत की है और उन्हें अब CM बनने का मौका मिलना चाहिए। दरअसल, 2023 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की बड़ी जीत में डीके शिवकुमार की अहम भूमिका रही थी।

तब वे मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार थे, लेकिन पार्टी हाईकमान के कहने पर उन्होंने डिप्टी CM और प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी स्वीकार की। उस समय रोटेशनल CM फॉर्मूले की बात भी सामने आई थी, लेकिन इसे कभी सार्वजनिक रूप से मंजूरी नहीं मिली। अब एक बार फिर यह मुद्दा खुलकर सतह पर आ गया है। रणदीप सुरजेवाला सोमवार को बेंगलुरु पहुंचे थे। उनके इस दौरे को CM और डिप्टी CM में बढ़ रही दरार से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि उन्होंने इन अटकलों को खारिज कर दिया और 'अपने दौरे को 'संगठनात्मक समीक्षा' बताया। उन्होंने मीडिया से नेतृत्व परिवर्तन की बात को कल्पना कहा। सिद्धारमैया ने भी मैसूर में मीडिया से बात करते हुए कहा सरकार चट्टान की तरह पांच साल चलेगी।

तेलंगाना में रामचंदर, हिमाचल में राजीव उत्तराखंड में महेंद्र भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

हमारा स्वराज। नई दिल्ली

भाजपा ने मंगलवार को 5 राज्य हिमाचल, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और तेलंगाना में निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष चुन लिए हैं।

हिमाचल में राजीव बिंदल को तीसरी बार कमान दी गई है। वहीं, महेंद्र भट्ट दूसरी बार उत्तराखंड अध्यक्ष बने। महाराष्ट्र में रवींद्र चव्हाण, आंध्रप्रदेश में पीएनवी माधव और तेलंगाना में रामचंदर राव को चुना गया है। तेलंगाना में रामचंदर राव को प्रत्याशी बनाए जाने पर विवाद हुआ था। गोशामहल से विधायक टी राजा ने विरोध करते हुए सोमवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। 2 दिन में 9 राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्ष चुने जाने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की तस्वीर साफ हो जाएगी।

बुधवार को 19 राज्यों के अध्यक्ष चुन लिए जाएंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष जुलाई में चुने जा सकते हैं। डॉ. राजीव बिंदल को तीसरी बार राज्य में पार्टी की कमान मिली है। शिमला के पीटरहॉफ में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने उनके नाम की घोषणा की। बिंदल सोलन-नाहन विधानसभा सीट से 5 बार विधायक रहे हैं। वे धूमल सरकार में स्वास्थ्य मंत्री और जयराम सरकार में विधानसभा अध्यक्ष रहे हैं। भाजपा ने महेंद्र भट्ट को लगातार दूसरी बार राज्य में पार्टी का मुखिया बनाया है। उन्हें 2024 में राज्यसभा का सांसद भी बनाया गया था। भट्ट चमोली जिले की बद्रीनाथ विधानसभा सीट से विधायक भी रह चुके हैं। पीवीएन माधव ने 2003 में भाजयुमो से सक्रिय राजनीति की शुरुआत की थी। 2007 से 2010 तक वह भाजयुमो के प्रदेश महासचिव और 2010 से 2013 तक राष्ट्रीय सचिव रहे। एन रामचंदर राव तेलंगाना हाईकोर्ट के सीनियर एडवोकेट हैं। वे राज्य विधान परिषद के सदस्य भी रह चुके हैं। राव लंबे समय से पार्टी और संघ से जुड़े हुए है।

क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक से पहले बोले जयशंकर

आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस दिखाए दुनिया

हमारा स्वराज। नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि हम सभी एक खुला और स्वतंत्र हिंद-प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों के पास विकल्पों की स्वतंत्रता होनी चाहिए, ताकि वे विकास और सुरक्षा को लेकर सही निर्णय ले सकें। पिछले कुछ महीनों में क्वाड की पहलों में हमने महत्वपूर्ण प्रगति की है। जयशंकर यह बात वॉशिंगटन में क्वाड के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक से पहले कही। जयशंकर ने

कहा कि दुनिया को आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस दिखानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि आतंकवाद के पीड़ितों की तुलना आतंक फैलाने वालों से नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत को अपने लोगों की रक्षा करने का पूरा अधिकार है और हम इस अधिकार का प्रयोग करेंगे।

ट्रम्प बोले-सब्सिडी बंद की तो मस्क को अफ्रीका लौटना पड़ेगा

फिर न कार बनेगी, न सैटेलाइट लॉन्च होंगे

हमारा स्वराज। नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को टेस्ला के CEO इलॉन मस्क पर तंज कसा। उन्होंने कहा- अगर मस्क को मिलने वाली सब्सिडी बंद हो जाए, तो उनको अपनी दुकान (कंपनी) बंद करके दक्षिण अफ्रीका लौटना पड़ेगा। ट्रम्प के कहा कि सब्सिडी बंद होने से न तो टेस्ला इलेक्ट्रिक कार का प्रोडक्शन कर पाएगी, न ही स्पेसएक्स के रॉकेट, सैटेलाइट लॉन्च होंगे। ट्रम्प ने दावा किया कि मस्क को सरकारी सब्सिडी

के तौर पर इतना पैसा मिला है, जितना शायद किसी और को नहीं मिला। उन्होंने सुझाव दिया कि DoGE इस मामले की डिटेल जांच करे। इससे देश का पैसा बचेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा- मस्क को राष्ट्रपति पद के लिए मेरा समर्थन करने से बहुत पहले ही पता था कि मैं EV मैंडेट के खिलाफ हूं। इलेक्ट्रिक गाड़ियां अच्छी हैं, लेकिन हर इंसान को इन्हें खरीदने के लिए मजबूर करना गलत है। दरअसल, इलॉन मस्क ने शनिवार को ट्रम्प के बिग ब्यूटीफुल बिल की एक बार फिर से आलोचना की थी। मस्क ने शनिवार को X पर लिखा था- 'ट्रम्प का यह बिल अमेरिका में लाखों नौकरियां खत्म कर देगा और हमारे देश को बहुत बड़ा रणनीतिक नुकसान पहुंचाएगा।' मस्क ने कहा, 'यह पूरी तरह पागलपन से भरा और विनाशकारी है। यह कानून पुराने उद्योगों को रियायत देता है।

टोल वसूली की लालच में गई जान

एनएचएआई अधिकारियों पर हत्या का केस दर्ज करने की मांग

हमारा स्वराज । इंदौर

इंदौर बायपास पर लगे जाम में हुई एक व्यक्ति की मौत और चोरल की सुरंग ढह जाने से हुई दो लोगों की मौत के मामले में एनएचएआई के अधिकारियों पर गैर-इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग उठ रही है। किसान नेता हंसराज मंडलोई ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग विकास प्राधिकरण के अधिकारी सुरेश बांझल एवं वी. नागेश्वरम पर गैर इरादतन हत्या का प्रकरण दर्ज किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि टोल कंपनी को फायदा पहुंचाने की कोशिश में बायपास पर जाम लगा है। बायपास और पुराने मुंबई आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर एनएचएआई 20-25 साल से टोल वसूल कर रहा है। इसके रखरखाव के साथ अन्य जवाबदारी भी इसी विभाग की है। इसके बाद भी अधिकारियों ने टोल कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए, नेताओं के साथ सांठगांठ करके मांगलिया व्यासखेड़ी रोड को बंद करवा दिया। इसके कारण निरंजनपुर से देवास तक जाम लगा और उसके साथ ही बायपास के ऊपर भी महाजाम लग गया। मंडलोई ने बताया कि गाड़ियां वैकल्पिक रास्तों से जाती तो टोल नहीं मिलता, गाड़ियों को टोल वाले रास्ते से जबरदस्ती गुजारा गया, जिससे जाम लगा और लोग परेशान हुए।

पहले ही वैकल्पिक रास्ते तैयार करना थे

मंडलोई ने बताया कि इतना हल्ला होने के बाद सर्विस रोड सुधारा गया, जबकि अधिकारियों का काम था पहले वैकल्पिक रास्तों का सीमेंटीकरण करते एवं अन्य रास्तों को सुधारते। इसके बाद पुल-पुलियाओं का काम चालू करते। ठेकेदार और राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों ने अपना हित साधने के लिए वैकल्पिक रास्तों का निर्माण नहीं किया और न ही अन्य रास्ते सुधारे। चोरल में सुरंग बनाते समय दो मजदूरों की मौत का मामला भी गंभीर है। इसमें भी दोषी अधिकारियों के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाना चाहिए।

नेताओं का व्यवहार अक्षम्य

सामाजिक कार्यकर्ता सुनील जोशी ने कहा कि नेताओं का व्यवहार अक्षम्य रहा। जिस तरह से लोगों की जान गई और बाद में नेता एक दूसरे पर आरोप मढ़ते रहे वह बेहद घटिया स्तर की राजनीति थी। जब हर अच्छे काम की जिम्मेदारी नेता लेते हैं तो फिर हादसों के समय क्यों भागने लगते हैं। अधिकारियों ने भी मानवीयता नहीं दिखाई वरना लोगों की जान नहीं जाती। समय रहते चेत जाते तो यह सब नहीं होता। जब लोगों की जान गई तब सड़क पर उतरे।

सड़कें जनता के लिए है या सिर्फ वीआईपी के लिए

देवास नाका के रहवासी अभय बाथम ने कहा कि क्या सड़क नेताओं और अधिकारियों ने अपने लिए बनवाई है। कह रहे हैं कि लोग सड़क पर जल्दी क्यों निकलते हैं। सड़क पर जल्दी निकलें या देर से निकलें, सड़क जनता के लिए है या फिर सिर्फ वीआईपी के लिए। कुछ कहने से पहले भी सोचना चाहिए। इस तरह के बयान देने वालों पर भी कार्रवाई होना चाहिए।

खोल दिए एक साथ तीन हाइवे के काम, इसलिए हो रहा ट्रैफिक जाम

हमारा स्वराज । इंदौर

इंदौर-देवास रोड पर जाम को हटाने के लिए अफसरों ने ट्रैफिक दूसरे मार्गों की तरफ मोड़ दिया। इससे ट्रांसपोर्टर नाराज है, क्योंकि उन्होंने अतिरिक्त समय व डीजल लग रहा है। ट्रैफिक जाम की स्थिति आने वाले दिनों में भी रहेगी,क्योंकि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने इंदौर में एक साथ तीन राष्ट्रीय राजमार्गों के काम खोल दिए है।

इंदौर देश के चार राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़ा है। देश का सबसे महत्वपूर्ण आगरा-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग इंदौर से गुजरता है। इसके लिए वर्ष 2000 में बायपास बनाया गया था। इंदौर से देवास तक के हिस्से को दस साल पहले छह लेन किया गया, लेकिन कम ब्रिज बनाए। अब वहां ब्रिज बनाए जा रहे है। इस कारण 30 किलोमीटर हिस्से में तीन जगह जाम लगता है। सबसे ज्यादा परेशानी अर्जुन बड़ौद गांव में होती है। यहां सर्विस रोड की चौड़ाई कम है।

इसके अलावा इंदौर-इच्छापुर हाईवे का काम भी चल रहा है। चलते निर्माण के बीच ट्रैफिक इंदौर से चोरल, भैरवघाट होते हुए खंडवा की तरफ जाता है। इस मार्ग पर भी आए दिन जाम लगता है।

सावन माह में इस मार्ग से कावड़ यात्री निकलते है। तब भी भारी वाहनों का ट्रैफिक रोक दिया जाएगा। ट्रकों को खरगोन होते हुए खंडवा की तरफ जाना पड़ता है। इसके अलावा इंदौर-हरदा राजमार्ग का निर्माण भी चल रहा है। एक साथ तीन मार्गों के निर्माण के कारण इंदौर के आसपास बार-बार यातायात बाधित होता है।

इंदौर-उज्जैन रोड के ट्रैफिक का दबाव भी बायपास पर

इंदौर-उज्जैन स्टेट हाइवे को छह लेन करने का काम भी शुरू हो चुका है। 50 किलोमीटर लंबे इस मार्ग से राजस्थान और उत्तर प्रदेश के वाहन आते है। मार्ग निर्माण के दौरान ट्रैफिक जाम से बचने के लिए वाहन चालक इंदौर से देवास होकर उज्जैन जा रहे है। इस कारण भी इंदौर-देवास बायपास पर ट्रैफिक का दबाव बढ़ गया है।

बायपास पर तेजाजी नगर के समीप तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराई

दो इंजीनियरिंग छात्रों की सड़क हादसे में मौत, तीन दोस्त घायल

हमारा स्वराज । इंदौर

इंदौर के बायपास पर तेजाजी नगर के समीप तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकरा गई। इसमें सवार दो युवकों की मौत हो गई। दोनो इंजीनियरिंग के छात्र थे। कार में सवार तीन अन्य युवक भी घायल हो गए है। सभी खरगोन जिले के ढापला और धरगांव के है।

ध्रुव

धीरज

सड़क हादसे में 20 वर्षीय धीरज पाटीदार निवासी ढापला, ध्रुव पाटीदार निवासी धरगांव की मौत हुई है,जबकि कार में सवार उनके तीन दोस्त भी गंभीर रुप से घायल हुए है। धीरज और ध्रुव इंदौर में रहकर पढ़ाई कर रहे थे। वे एक इंजीनियरिंग कॉलेज में बीटेक के छात्र थे। दोनो रेडियो कॉलोनी में किराए का कमरा लेकर रहते थे। इस हादसे में हेमंत पाटीदार, आदित्य और यशराज घायल हुए है। तीनों का इलाज अलग-अलग निजी अस्पतालों में चल रहा है। पुलिस के अनुसार पांचों दोस्त रात को कार लेकर घूमने निकले थे। इस दौरान वे बाइपास पर चले गए। कार की गति काफी तेज थी। कार एक डिवाइडर से टकरा गई। कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। कार धीरज चला रहा था।हादसा देख दूसरे वाहन चालकों को पुलिस को सूचना दी। दोनों छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई थी। पुलिस ने कार में फंसे तीनों घायलों को निकाला और अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मंडलेश्वर पुलिस की मदद से छात्रों के परिजनों को हादसे की सूचना दी। ढाई घंटे बाद परिजन भी इंदौर पहुंच गए थे।

आगे चल रहे लोडिंग वाहन के हेल्पर ने गेट खोला ज्वेलर टकराए, अस्पताल में दम तोड़ा

हमारा स्वराज । इंदौर

खातीपुरा में हुए सड़क हादसे में घायल हुए नंदानगर निवासी ज्वेलर्स रजनीकांत काटकर (26) की मंगलवार सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। रजनीकांत 'महाराष्ट्रीयन ज्वेलर्स' नाम से दुकान चलाते थे। घटना वाले दिन वह रानीपुरा इलाके से दुकान के लिए ज्वेलरी रखने की प्लास्टिक डब्बी लेने निकले थे। उसी दौरान खातीपुरा में वाटर सप्लाई करने वाले एक लोडिंग वाहन (क्रमांक MP09LR5964) के हेल्पर ने अचानक उसका गेट खोल दिया।

हेल्पर की लापरवाही से हुआ हादसा

वाहन का गेट खुलते ही वह रजनीकांत की एक्टिवा से टकराया, जिससे रजनीकांत असंतुलित होकर सड़क पर जा गिरे। गिरते समय उनका सिर सड़क किनारे पड़े एक पत्थर से टकराया और उन्हें गंभीर चोट आई। हादसे के बाद वाहन में मौजूद हेल्पर जितेन्द्र और ड्राइवर ने रजनीकांत को नजदीकी निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां से उन्हें एमवाय अस्पताल रेफर किया गया। एमवाय अस्पताल में इलाज के दौरान मंगलवार सुबह रजनीकांत की मौत हो गई। सेन्ट्रल कोतवाली पुलिस के अनुसार, घायल अवस्था में रजनीकांत होश में थे और उन्होंने खुद हादसे की पूरी जानकारी पुलिस को दी थी। उनके भाई रमाकांत काटकर के बयान के आधार पर पुलिस पहले ही लोडिंग वाहन के हेल्पर के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज कर चुकी थी।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

रजनीकांत अपने पीछे माता-पिता, छोटा भाई, पत्नी और पांच साल की बेटी को छोड़ गए हैं। परिवार के लिए हादसा गहरा आघात है, खासतौर पर तब जब उनकी पत्नी गर्भवती हैं। पुलिस ने आगे की धाराएं जोड़ने की कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना ने शहर में सड़क सुरक्षा और वाहन चालकों की लापरवाही पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं।

ड्राइवर से मारपीट कर लूटी कार

हमारा स्वराज । इंदौर

सपना-संगीता रोड से सवारी बनकर कार में बैठे तीन बदमाशों ने तेजाजी नगर बायपास पर ड्राइवर से मारपीट कर रिवॉल्वर दिखाया और कार लूटकर फरार हो गए। कुछ घंटे बाद कनाडिया बायपास पर पुलिस ने घेराबंदी कर कार को रोका, जिसमें दो आरोपी पकड़ में आ गए, जबकि एक फरार हो गया। द्वारकापुरी निवासी रवि चौहान एक ट्रैवल कंपनी में ड्राइवर है।

उसे रात 8 बजे कंपनी से सपना-संगीता इलाके से सवारी लेकर तेजाजी नगर छोड़ने का मैसेज मिला था। तीन युवक कार में बैठे और बायपास की ओर चलने को कहा। बायपास पहुंचने पर उन्होंने कार रुकवाई, रवि के साथ मारपीट की और रिवॉल्वर दिखाकर कार से बाहर निकाल दिया। रवि ने मालिक को सूचना दी और थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। तेजाजी नगर पुलिस ने कार की तलाश शुरू की। देर रात कनाडिया बायपास पर पुलिस ने संदिग्ध कार को रोकने की कोशिश की, लेकिन आरोपी भागने लगे। घेराबंदी कर दो को पकड़ लिया गया, जबकि एक भाग निकला। पुलिस को आरोपियों के पास से हथियार भी मिले है। तीनों के खिलाफ लूट का मामला दर्ज कर लिया गया है। फरार आरोपी की तलाश जारी है।

फेडरेशन द्वारा आयोजित बैंकिंग सहायता एवं समाधान कार्यशाला सम्पन्न

बैंकिंग सुविधाओं की जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना स्वागत योग्य कदम

हमारा स्वराज । इंदौर

आज की तेजी से बदलती वित्तीय दुनिया में, बैंकिंग सेवाओं का महत्व और बढ़ गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए, फेडरेशन द्वारा एक बैंकिंग सहायता एवं समाधान कार्यशाला का आयोजन पार्श्व आरोग्यम मनोरमागंज इंदौर पर किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जन सामान्य को बैंकिंग सेवाओं के बारे में जागरूक करना और उनकी समस्याओं का समाधान प्रदान करना था।

यह जानकारी अभा जैन श्वेताम्बर सोश्यल ग्रुप्स फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जिनेश्वर जैन ने दी। कार्यशाला का शुभारंभ मंगलाचरण और दीप प्रज्वलन से किया।

पार्श्व आरोग्यम के अध्यक्षप्रकाश भटेवरा ने सभी उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुए बताया कि फेडरेशन अपने सदस्यों के व्यापार व्यवसाय के विस्तार के लिए बैंकिंग सुविधाएं जैसी जरूरतों की जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध करने का कार्य कर रही है जो स्वागत योग्य कदम है।बैंक अधिकारियों का स्वागत फेडरेशन के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र जैन, पीयूष जैन, संजय नाहर, महासचिव त्रय अरिहंत जैन, वीरेंद्र नाहर, किरण सिरोलिया तथा डॉ शरद दोषी एवं अजित जैन आदि ने किया।

फेडरेशन के बैंकिंग सलाहकार कमेटी के राष्ट्रीय चेयरमैन विनोद मेहता ने विस्तृत जानकारी दी कि इस कार्यशाला में विशेषज्ञ बैंकिंग पेशेवर उपस्थित हैं, जो आम जनता को बैंकिंग संबंधी योजनाओं की जानकारी तथा बैंकिंग समस्याओं का समाधान प्रदान करेंगे। मेहता ने बैंक लोन के दो मुख्य आधार सिबिल रिपोर्ट तथा क्रेडिट रेटिंग (साख निर्धारण) अच्छी रखने / सुधारने पर भी प्रकाश डाला।

इस कार्यशाला में बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित हुए। बैंकिंग अधिकारियों ने अपने उद्बोधन के पश्चात प्रश्नोत्तर सत्र के अंतर्गत जिज्ञासाओं का उचित समाधान किया।

कार्यशाला के मुख्य संयोजक सी.ए.नरेंद्र भंडारी ने बताया कि कार्यशाला में भाग लेने से आम जनता को बैंकिंग पेशेवरों से मिलने और नेटवर्किंग करने का अवसर मिला जिससे जागरूकता बढ़ेगी। बैंकिंग सलाहकारों ने कहा की हमें उम्मीद है कि इस कार्यशाला में भाग लेने से आम जनता अपने वित्तीय निर्णयों में सुधार कर सकेगी और अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल हो सकेगी। इस कार्यशाला में लगभग 150 से अधिक जैन समाज के लोगों ने भाग लिया। आभार कार्यशाला के सह संयोजक सी.ए. राजेंद्र रांका ने व्यक्त किया।

04 जुलाई 2025 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए

इंदौर में आंगनवाड़ी की हजारों भर्तियां

हमारा स्वराज । इंदौर

इंदौर के रिक्त आंगनवाड़ी पदों की भर्ती प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके लिए 04 जुलाई 2025 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी सहायिका के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु शैक्षणिक योग्यता हायर सेकण्ड्री (12वीं उत्तीर्ण) अनिवार्य है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी सहायिका के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु 01.01.2025 की स्थिति में आयु 18 से 35 वर्ष होना अनिवार्य है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के 341 तथा सहायिकाओं के 3281 रिक्त पद : आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं /सहायिकाओं के पूर्णतः अस्थाई (मानसेवी) एवं मानदेय आधारित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के 341 तथा सहायिकाओं के 3281 रिक्त पदों की पूर्ति एमपी ऑनलाइन द्वारा तैयार चयन पोर्टल (https://chayan.mponline.gov.in) के माध्यम से प्राप्त किए जाएंगे। ऑफलाइन आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। अंतिम तिथि तक प्राप्त आवेदन में संशोधन करने की अंतिम तिथि 07 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है। परियोजना अन्तर्गत अंतिम रूप से रिक्त पदों की संख्या एवं वार्ड तथा स्थान की जानकारी चयन पोर्टल पर उपलब्ध है।

इन बातों का ध्यान रखें

रिक्त पदों की पूर्ति हेतु आवश्यक है कि जिस ग्राम/नगरीय क्षेत्र के वार्ड में रिक्त पद की पूर्ति की जानी है, आवेदिका ग्रामीण क्षेत्र में उसी राजस्व ग्राम एवं शहरी/नगरीय क्षेत्र में उसी वार्ड की निवासी होना अनिवार्य है। अन्य ग्राम/वार्ड की महिला आवेदन हेतु पात्र नहीं है। आवेदिका द्वारा रिक्त पदों हेतु ऑनलाइन भरते समय ही आवेदन पत्र के साथ समस्त प्रमाण-पत्र पीडीएफ फार्मेट में अपलोड किए जाएंगे। आवेदन के उपरांत आवेदन में संशोधन की सुविधा निर्धारित अवधि हेतु ही उपलब्ध होगी। ऑनलाइन माध्यम से भरे गए आवेदन के प्रिंटआउट की प्रति संबंधित आवेदिका द्वारा सुरक्षित रखी जाएगी। कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय एवं बाल विकास परियोजना कार्यालय को प्रेषित नियुक्ति संबंधी आवेदन पत्र को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

हेल्पलाइन नंबर

आवेदन एम.पी. ऑनलाइन द्वारा स्थापित कियोस्क के माध्यम से या स्वयं एमपी ऑनलाइन के पोर्टल पर जाकर भर सकते हैं। एमपी ऑनलाईन द्वारा भरे जाने वाले आवेदन के लिए शुल्क राशि रुपए 100/- निर्धारित है। MP Online से संबंधित समस्या के लिए हेल्पलाइन नंबर 0755-6720208 है।

हमारा स्वराज
भोपाल, बुधवार, 02 जुलाई 2025

जल जीवन मिशन से जुड़े घूस मामले में मंत्री संपतिया उईके ने दी सफाई

मुझे बेवजह प्रताड़ित किया जा रहा है

हमारा स्वराज । भोपाल

जल जीवन मिशन से जुड़े 1000 करोड़ रुपये की घूस लेने के गंभीर आरोपों पर मंत्री संपतिया उईके ने सफाई दी है। मंत्री उईके ने कहा कि मैं जनता की सेवा कर रही हूं। इस मामले में मेरा जवाब मुख्यमंत्री देंगे। मुझे बेवजह प्रताड़ित किया जा रहा है। हमारी सरकार भ्रष्टाचार मुक्त सरकार है और यदि किसी के खिलाफ कोई शिकायत आती है तो उसकी जांच जरूर होती है। मंत्री उईके ने बताया कि वह इस मुद्दे को कैबिनेट बैठक में भी उठाएंगी और प्रेस वार्ता कर एक-एक सवाल का जवाब देंगी।

ये है मामला

दरअसल, मध्यप्रदेश की आदिवासी मंत्री संपतिया उईके पर जल जीवन मिशन से जुड़े 1000 करोड़ रुपये की घूस लेने के गंभीर आरोप लगे हैं। ये आरोप पूर्व विधायक किशोर समरीते ने लगाए हैं, जिनकी शिकायत के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) ने राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी है। इसके बाद मध्यप्रदेश सरकार ने खुद अपनी मंत्री के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। अब पीएचई विभाग के अधिकारी पूरे मामले की रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं।

मंत्री पर लगाए आरोप आधारहीन

डिप्टी सीएम और लोक स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने मामले में मंगलवार को कहा कि ऐसी मंत्री पर आरोप लगाया है जिसका राजनीतिक बैकग्राउंड अच्छा है। लगन के साथ काम कर रही हैं। विधानसभा में बजट प्रस्ताव के दौरान सभी ने उन्हें बधाई दी है। आदिवासी मंत्री को टारगेट करना निंदनीय है और आधारहीन आरोप छवि खराब करने वाला है। उन्होंने आगे कहा कि कीचड़ उछालकर किसी की छवि खराब करने वालों को प्रतिबंधित करना चाहिए। जो जरूरी कार्यवाही होगी, वह सब होगी। जो आरोप लगा है वह आधारहीन है। मंत्री की जांच के आदेश कौन दे सकता है, अगर उस तरह की कोई मिस्टेक हुई है तो कार्रवाई जरूर होगी।

पटवारी बोले-1 हजार करोड़ की जांच 4 दिन में पूरी कैसे

मध्य प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की मंत्री संपतिया उइके के 1000 करोड़ रुपए कमीशन लेने के आरोप मामले में कांग्रेस पार्टी ने सरकार पर हमला बोल दिया है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने जांच को लेकर कहा कि यह भारतीय जनता पार्टी का चाल, चरित्र और चेहरा है, जो देश और दुनिया को स्पष्ट दिख रहा है। पटवारी ने कहा कि 21 तारीख को जांच के आदेश दिए जाते हैं और 25 तारीख को जांच पूरी हो जाती है।

4 दिनों में एक हजार करोड़ रुपए की जांच समाप्त हो जाना अपने आप में बहुत कुछ बयां करता है। उन्होंने कहा है कि मामले में प्रधानमंत्री को वह पत्र लिखेंगे और सीबीआई जांच की मांग करेंगे। पटवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी का दावा था कि न खाऊंगा और न खाने दूंगा। लेकिन यहां भारतीय जनता पार्टी सिर्फ खाने का काम कर रही है। बीजेपी के नेता ही खा सकते हैं, दूसरों को उसमे भी कोई छूट नहीं है। खांऊगा ही और हम ही खाएंगे, ये भाजपा का नया नारा है।

मध्य प्रदेश विधानसभा नेता प्रतिपक्ष ने भी मामले में सोशल मीडिया के माध्यम से सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि जनता को न नल मिला, न जल - मिला तो सिर्फ घोटालों का दल ! जल जीवन मिशन के 30,000 करोड़ में से 1,000 करोड़ के कमीशन की शिकायत अप्रैल में सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय तक गई, जिसमें मंत्री @SampatiyaUikey और अफसरों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए गए। मामले को दो महीने तक दबाए रखने के बाद पीएचई विभाग ने जून के अंत में जांच के आदेश दिए और खानापूर्ति करते हुए विभाग ने मंत्री जी को क्लीनचिट भी दे डाली।

सीएम यादव 4 जुलाई को प्रतिभाशाली 94 हजार 234 विद्यार्थियों को लैपटॉप वितरित करेंगे

हमारा स्वराज । भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार 4 जुलाई को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना में लैपटॉप वितरित करेंगे। कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह भी मौजूद रहेंगे।

स्कूल शिक्षा विभाग की प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना में मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल की 12वीं बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक अर्जित करने वाले प्रति विद्यार्थी को 25 हजार रुपये की राशि लैपटॉप क्रय करने के लिये उनके बैंक खाते में अंतरित करेंगे। इस वर्ष 94 हजार 234 विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिये 235 करोड़ 58 लाख 50 हजार रूपये की राशि दी जा रही है। कार्यक्रम में प्रदेश के 500 से अधिक विद्यार्थी और शिक्षक सहभागिता करेंगे। प्रदेश में पिछले वर्ष 2023-24 में 89 हजार 710 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के बैंक खातों में 224 करोड़ 27 लाख 50 हजार रुपये की राशि अंतरित की गयी थी। प्रदेश में यह योजना वर्ष 2009-10 से संचालित हो रही है। पिछले 15 वर्षों में इस योजना में 4 लाख 32 हजार 16 विद्यार्थियों के बैंक खातों में एक हजार 80 करोड़ 4 लाख रुपये की राशि प्रोत्साहन स्वरूप लैपटॉप के लिये अंतरित की जा चुकी है।

देहदान और अंगदान करने वालों को मिलेगा राजकीय सम्मान

गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस पर होंगे सम्मानित

मध्यप्रदेश शासन ने एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील निर्णय लेते हुए देहदान और अंगदान करने वाले नागरिकों को राजकीय सम्मान देने का कदम उठाया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की घोषणा के पालन में सामान्य प्रशासन विभाग ने समस्त संभागायुक्तों, कलेक्टरों और पुलिस अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं।

नागरिकों के परिजनों को किया जाएगा सम्मानित : इसमें देहदान अथवा हृदय, लीवर एवं गुर्दा जैसे प्रमुख अंगों का दान करने वाले नागरिकों के परिजनों को 26 जनवरी (गणतंत्र दिवस) एवं 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस) के जिला स्तरीय समारोहों में सम्मानित किया जाएगा। देहदान अथवा प्रमुख अंगदान करने वाले नागरिक के पार्थिव शरीर को गार्ड ऑफ ऑनर के माध्यम से राजकीय सम्मान दिया जाएगा। यह सम्मान उनके मानवीय योगदान और समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनने के दृष्टिकोण से किया जाएगा।

राज्य सरकार का यह कदम अंगदान और देहदान जैसे महान कार्यों को सामाजिक स्वीकृति और सम्मान दिलाने की दिशा में एक प्रेरक पहल है। इससे समाज में अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और जरूरतमंद मरीजों को जीवनदान मिलने की संभावनाएं अधिक होंगी। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग के अवर सचिव सचिन्द्र राव द्वारा आदेश जारी किया गया है। सभी जिला कलेक्टरों एवं पुलिस अधिकारियों को निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है.

जनसुनवाई में पहुंचा मामला, एडीएम ने जिला शिक्षा अधिकारी को लगाई फटकार

भोपाल के निजी स्कूलों में कमीशनखोरी

हमारा स्वराज । भोपाल

भोपाल कलेक्टर के सख्त निर्देश के बाद भी राजधानी के निजी स्कूलों में कमीशनखोरी पर रोक नहीं लग पा रही है। यहां कापी किताब से लेकर ड्रेस, जूते तक में निर्धारित दुकानों से खरीदी अनिवार्य कर कमीशखोरी की जाती है। कमीशनखोरी का मामला अब कलेक्टर जनसुनवाई तक पहुंच गया है। मामले में प्रशासनिक अधिकारी ने जिला शिक्षा अधिकारी को फटकार लगाई है। और तुरंत जांच के निर्देश दिए हैं।

अभिभावकों पर अनैतिक दबाव बना रहे

दरअसल भोपाल में शिक्षा के नाम पर हो रही खुली लूट और अभिभावकों के शोषण के खिलाफ मंगलवार को मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई स्कूलों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए। त्रिपाठी ने शिकायत में स्पष्ट किया कि ये स्कूल कुछ चुनिंदा दुकानों से अत्यधिक कीमतों पर ड्रेस, किताबें और स्टेशनरी खरीदवाने के लिए अभिभावकों पर अनैतिक दबाव बना रहे हैं। इन दुकानों के पास न तो वैध रजिस्ट्रेशन है, न ही जीएसटी बिल दिए जाते हैं। यह पूरा तंत्र कमीशनखोरी और टैक्स चोरी पर आधारित है, जिससे शिक्षा एक माफिया कारोबार बन चुकी है।

जबलपुर जैसी कार्रवाई की उठी मांग

त्रिपाठी ने जनसुनवाई के दौरान प्रशासन से मांग की कि जैसे जबलपुर में शिक्षा माफिया और स्कूल संचालकों पर एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई हुई, उसी तरह भोपाल में भी तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए और दोषियों को सजा दी जाए। उन्होंने कहा कि यह केवल आर्थिक शोषण नहीं बल्कि संविधान प्रदत्त शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन भी है। स्कूलों और दुकानों की सांठगांठ अभिभावकों की जेब पर सीधा हमला है।

एडीएम निधि चौकसे ने लिया संज्ञान

जनसुनवाई के दौरान एडीएम निधि चौकसे ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रभाव से जिला शिक्षा अधिकारी को फटकार लगाई और साक्ष्यों के आधार पर जांच के निर्देश दिए। प्रशासन ने तत्काल संज्ञान लेते हुए एसडीएम अर्चना शर्मा और जिला शिक्षा अधिकारी नरेंद्र अहिरवार को संयुक्त रूप से मामले की जांच सौंप दी है। यह पहली बार है जब भोपाल में प्रशासन ने शिक्षा माफियाओं के खिलाफ खुलकर मोर्चा लिया है और उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही दोषियों पर कार्रवाई होगी।

यदि कार्रवाई नहीं हुई तो होगा उग्र आंदोलन

विवेक त्रिपाठी ने चेतावनी दी कि यदि मामले में शीघ्र न्यायोचित कार्रवाई नहीं की गई, तो कांग्रेस इस विषय पर सड़क से सदन तक आंदोलन चलाने को मजबूर होगी।

यह है प्रमुख मांगे

1. निजी स्कूलों द्वारा की जा रही अवैध कमीशन वसूली की जांच हो।
2. दोषी स्कूल प्रबंधन व दुकान संचालकों पर FIR दर्ज की जाए।
3. टैक्स चोरी और उपभोक्ता संरक्षण उल्लंघन पर वित्तीय विभाग की भी जांच हो।
4. सभी निजी स्कूलों में पालक संघ अनिवार्य किया जाए, जिसकी अनुशंसाएं बाध्यकारी हों।

वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन की अवधि बढ़ाई

हमारा स्वराज । भोपाल

ट्रेनों में बढ़ती वेटिंग के बीच रेल प्रशासन ने स्पेशल साप्ताहिक ट्रेन की अवधि को बढ़ा दी है गाड़ी संख्या 01922/01921 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-पुणे-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के संचालन को यात्रियों की बढ़ती मांग के मद्देनज़र विस्तारित करने का निर्णय लिया गया है। इस स्पेशल ट्रेन के विस्तार से पश्चिम मध्य रेल के बीना, विदिशा, रानी कमलापति, नर्मदापुरम एवं इटारसी के स्टेशनों के यात्रियों को भी लाभ मिलेगा। गाड़ी संख्या 01922 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-पुणे साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन प्रत्येक बुधवार को वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन से 2 जुलाई 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक 27 फेरों के लिए चलती रहेगी। गाड़ी संख्या 01921 पुणे-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन प्रत्येक गुरुवार को पुणे स्टेशन से 3 जुलाई से 1 जनवरी 2026 तक किया जा रहा है। यह गाड़ी दोनों दिशाओं में ललितपुर, बीना, विदिशा, रानी कमलापति, नर्मदापुरम, इटारसी, खण्डवा, भुसावल, मनमाड, कोपरगांव, अहमदनगर एवंदौंड कॉर्ड लाइन पर ठहराव लेती है।

कृष्णा गौर ने मंत्रालय में की बैठक

पटेल नगर कॉलोनाइजर पर एफआईआर दर्ज करने के निर्देश

हमारा स्वराज । भोपाल

भोपाल के रायसेन रोड स्थित पटेल कॉलोनी के कॉलोनाइजर के विरुद्ध एफआईआर होगी। मंत्री कृष्णा गौर ने नगर निगम के अधिकारियों को यह निर्देश दिए हैं। मंत्री गौर ने मंगलवार को मंत्रालय में बैठक की। वहीं, 4 कॉलोनी के रहवासियों की समस्याओं को लेकर भी बात की।

बैठक में मंत्री गौर ने गोविंदपुरा क्षेत्र की सर्वोदय गृह निर्माण सहकारी संस्था, अग्रोहा गृह निर्माण समिति, कुंजन गृह निर्माण समिति और पटेल नगर कॉलोनी के रहवासियों की समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों से चर्चा भी की। बैठक में बताया गया कि पटेल नगर कॉलोनी में स्कूल, खेल मैदान, पार्क आदि के लिए छोड़े गए भू-खंडों को नगर निगम के लिए सौंपने के स्थान पर कॉलोनाइजर ने इस कॉलोनी के प्राइमरी स्कूल के एक भू-खंड को निजी तौर पर विक्रय कर दिया। नगर निगम के स्वामित्व के इन भू-खंड को विक्रय करने का अधिकार कॉलोनाइजर को नहीं है।

कॉलोनाइजर द्वारा किया गया यह कृत्य आपराधिक है। इसे ध्यान में रखते हुए मंत्री गौर ने नगर निगम के अधिकारियों को कॉलोनाइजर के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कॉलोनाइजर द्वारा विक्रय किए गए भू-खंड की रजिस्ट्री को शून्य कराने की प्रक्रिया भी शुरू करें। इसके साथ ही कॉलोनाइजर अन्य ओपन एरिया को विक्रय नहीं कर सके, इसकी व्यवस्था भी करें। बैठक में बताया गया कि पटेल नगर कॉलोनी 1960 के दशक में विकसित की गई थी। इसमें 700 से अधिक प्लाट हैं।

मंत्री गौर ने सर्वोदय गृह निर्माण सहकारी संस्था खजूरी भोपाल में आवंटियों और सहकारी संस्था के पदाधिकारियों के बीच कॉलोनी के विकास कार्यों को लेकर आ रही समस्या के निराकरण के लिए और समिति में पिछले वर्षों में हुई कार्रवाई से आवंटियों को उनका वास्तविक हक दिलाने के लिए उप आयुक्त, सहकारिता भोपाल को कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने उप आयुक्त सहकारिता से कहा कि वह आवंटियों और सहकारी संस्था के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर समस्या का निराकरण कराना सुनिश्चित करें। बैठक में अग्रोहा गृह निर्माण समिति नर्मदापुरम रोड की सीवेज और सड़क निर्माण के लिए रहवासियों के साथ समन्वय कर अधिकारियों को कार्य करने के लिए कहा।

विश्व डॉक्टर्स डे पर सांसद ने की घोषणा, प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश

बीएमएचआरसी में खुलेगा मेडिकल कॉलेज

हमारा स्वराज । भोपाल

भोपाल स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (बीएमएचआरसी) में जल्द ही एक मेडिकल कॉलेज खोला जाएगा। विश्व डॉक्टर्स डे के अवसर पर आयोजित समारोह में भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने यह घोषणा है। उन्होने बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डॉ. मनीषा श्रीवास्तव को इसका प्रस्ताव (DPR) तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान सांसद शर्मा ने हृदय विभाग की नई इकोकार्डियोग्राफी मशीन का उद्घाटन भी किया। साथ ही एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत परिसर में एक औषधीय पौधा रोपा। इस अवसर पर संस्थान के चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ और प्रबंधन के लोग मौजूद थे।

सांसद कहा कि भोपाल शहर की आबादी में काफी वृद्धि हुई है और बीएमएचआरसी लंबे समय से गैस पीड़ितों का इलाज कर रहा है। अब समय है कि अस्पताल का विस्तार किया जाए। हाल ही में, आयुष्मान कार्ड और बीपीएल कार्ड धारकों का इलाज भी बीएमएचआरसी में शुरू किया गया है, लेकिन शहर की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए अब यहां मेडिकल कॉलेज और स्वास्थ्य से संबंधित अन्य इकाइयां स्थापित करना आवश्यक है। विशेष रूप से कैंसर और किडनी के इलाज के लिए विशेष केंद्र यहां बनने चाहिए। जिससे गरीब और समाज के अंतिम व्यक्ति तक अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाई जा सकें।

डॉक्टरों को किया सम्मानित

सांसद ने बीएमएचआरसी के ऑडिटोरियम में स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान देने वाले डॉक्टरों को सम्मानित किया। BMHRC की स्थापना को 25 वर्ष हो चुके हैं। सांसद ने डॉ. मनीषा श्रीवास्तव से इस अस्पताल में नया मेडिकल कॉलेज खोलने और नए मेडिकल एवं जनरल मेडिसिन विभाग की स्वीकृति के लिए दिल्ली से प्रस्ताव जल्द पारित कराने हेतु डीपीआर तैयार करने को कहा है।

सम्पादकीय

छोटे विवादों में जान लेने का फितूर

कहना मुश्किल है कि हमारे समाज में ऐसा क्या बदला है कि जिन छोटे-छोटे विवादों को हम आसानी से सुलझा सकते हैं, उनको लेकर जान लेने तक की नौबत आ जाती है। मान्यता रही है कि पढ़ा-लिखा समाज सभ्य-संवेदनशील होकर प्रगतिशील समाज की आधारशिला रखता है। लेकिन यहां तो हम तरक्की के दावों और साक्षरता में अप्रत्याशित वृद्धि के बावजूद आदमयुगीन व्यवहार करने पर उतारू हैं। कार पार्किंग विवाद हो या सड़क पर आगे जाने की होड़ में वाहनों का जरा आपस में छू जाना, अकसर बड़े विवाद व हिंसक संघर्ष का कारण बन जाता है। पिछले दिनों दिल्ली में एक ई-रिक्शा चालक के कार से लग जाने के बाद कार चालक ने रिक्शा वाले को गोली मार दी। अब सवाल यह भी है कि क्यों इस विवाद को आपसी बातचीत से नहीं टाला जा सका? आखिर क्यों कार चालक को हथियार लेकर चलने की जरूरत पड़ी? आखिर लोगों का खून क्यों उबाल ले रहा है? क्या ये हमारे तामसिक व प्रदूषित खान-पान की देन है? क्या हमारे विचार दूषित हुए हैं? क्या हमारे उन संस्कारों का लोप हो चुका है जो हमें सहजता,सहयोग, सरलता, सहनशीलता, सौम्यता और सहभागिता सिखाते थे? अक्सर हम बुजुर्गों के साथ युवाओं द्वारा अभद्र व्यवहार करते हुए देखते हैं। उनकी उम्र व सफेद बालों का भी कोई लिहाज करता नजर नहीं आता है। सवाल उठता है कि क्या हमारी पारिवारिक संरचना व शिक्षण संस्थाओं द्वारा जीवन मूल्य बांटने की कवायद निष्प्रभावी हो गई है? अकसर हम देखते हैं कि सार्वजनिक जीवन में ऐसे मुद्दों को लेकर बड़े विवाद होते हैं, जिन्हें आसानी से सुलझाया जा सकता है। हमारे व्यवहार की ये कृत्रिमता विचलित करने वाली है। कभी कहा जाता था कि गहरी नदी खामोशी से बहती है। लेकिन इसके उलट पढ़े-लिखे लोग अनपढ़ों से बदतर व्यवहार करते नजर आते हैं। वह धारणा निर्मूल साबित हो रही है कि विद्या हमें विनय देती है। क्या हमारा जीवन इतना जटिल हो गया है कि हमें क्षण में आक्रोश से भर देता है? हाल के वर्षों में राह चलते मामूली विवादों पर हत्या कर देने की विचलित करने वाली वारदातें अकसर खबरों में सुर्खियां बनती रहती हैं। जो एक सभ्य व्यक्ति में भय व असुरक्षा भर देती हैं। हर व्यक्ति के दिमाग में अपनी व बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता व्याप्त हो जाती है। कहीं छोटी-छोटी बात पर रौब दिखाने पर हत्याएं हो जाती हैं तो कहीं वाहनों को खड़े करने के विवाद में खूनी संघर्ष हो रहे हैं। कहीं न कहीं सड़कों पर होने वाली हिंसा के मूल में बेलगाम होता गुस्सा भी है। यह गुस्सा कब कानून की झीनी दीवार लांघ दे, कहना मुश्किल है। कालांतर यही टकराव गंभीर अपराध के रूप में ही सामने आता है।

बड़े धार्मिक आयोजनों का वैज्ञानिक प्रबंधन जरूरी

प्रयागराज कुंभ मेले में और इसी साल जून माह में बेंगलुरु में आईपीएल मैच में मची भगदड़ की स्मृतियां विलोपित भी नहीं हो पाई थीं कि पुरी में चल रहे भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में भगदड़ मचने से तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 50 से ज्यादा घायल हो गए। मंदिर में प्रवेश का रास्ता केवल एक था, बाहर जाने का मार्ग बंद कर दिया था, क्योंकि वहां से वीआईपी लोग दर्शन के लिए जा रहे थे। आम भक्तों के लिए बाहर आने का दूसरा कोई मार्ग नहीं था। इसी समय मंदिर में दो ट्रक लकड़ी और अनुष्ठान सामग्री से भरे इसी संकीर्ण मार्ग से भीतर भेज दिए गए। ट्रकों के कारण भीड़ में अफरा-तफरी मच गई और हादसा घट गया।

साफ है, प्रशासनिक प्रबंधन की घोर लापरवाही के चलते श्रद्धालु हादसे के शिकार हो गए। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा की चूक के लिए क्षमा मांगते हुए पुरी के कलेक्टर का अविलंब स्थानांतरण कर दिया। स्थानांतरण कोई सजा नहीं होती। वास्तव में कुंभ मेले में और आईपीएल क्रिकेट मैच में हुए हादसों से प्रशासन को सबक लेने की जरूरत थी, जिससे रथयात्रा में भगदड़ से बचा जाए।

भारत में पिछले डेढ़ दशक के दौरान मंदिरों और अन्य धार्मिक आयोजनों में उम्मीद से कई गुना ज्यादा भीड़ उमड़ रही है। जिसके चलते दर्शन-लाभ की जल्दबाजी व कुप्रबंधन से उपजने वाली भगदड़ व आगजनी का सिलसिला हर साल इस तरह के धार्मिक मेलों में देखने में आ रहा है।

धर्म स्थल इस बात के लिए प्रेरित करते हैं कि हम शालीनता और आत्मानुशासन का परिचय दें। किंतु इस बात की परवाह आयोजकों और प्रशासनिक अधिकारियों को नहीं होती। लिहाजा राजनीतिक और प्रशासनिक तंत्र उस अनियंत्रित स्थिति को काबू करने की कोशिश में लगा रहता है, जिसे वह समय पर नियंत्रित करने की कोशिश करता तो हालात कमोबेश बेकाबू ही नहीं हुए होते? आयोजन को सफल बनाने में जुटे अधिकारी भीड़ के मनोविज्ञान का आकलन करने में चूकते दिखाई देते हैं।

रथयात्रा की तैयारियों के लिए कई हजार करोड़ की धनराशि खर्च की जाती है। जरूरत से ज्यादा प्रचार करके लोगों को यात्रा के लिए प्रेरित किया जाता है। फलतः जनसैलाब इतनी बड़ी संख्या में उमड़ गया कि सारे रास्ते पैदल भीड़ से जाम हो गए। इसी बीच लापरवाही यह रही कि बाहर जाने के रास्ते को नेता और नौकरशाहों के लिए आरक्षित कर दिया गया और दो ट्रक आम रास्ते से मंदिर की ओर भेज दिए। इस चूक ने घटना को अंजाम दे दिया। जो भी प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकी उपाय किए गए थे, वे सब व्यर्थ साबित हुए।

दरअसल, रथयात्रा के दौरान उमड़ी भीड़ के आवागमन के सुचारु प्रबंधन के लिए जिस प्रबंध कौशल की आवश्यकता थी, उसके प्रति पूर्व से ही सतर्कता बरतना आवश्यक था। दुर्भाग्यवश, इस दिशा में प्रबंधन ने अदूरदर्शिता दिखाई। मेलों के प्रबंधन के लिए हम प्रायः विदेशी साहित्य और प्रशिक्षण पर निर्भर रहते हैं, जो भारतीय मेलों की विशिष्ट सामाजिक-सांस्कृतिक परिस्थितियों के अनुरूप नहीं होते और इस कारण प्रासंगिक भी नहीं रह जाते।

दुनिया के किसी अन्य देश में किसी एक दिन और विशेष मुहूर्त के समय लाखों-करोड़ों की भीड़ जुटने की उम्मीद ही नहीं की जाती? बावजूद हमारे नौकरशाह भीड़ प्रबंधन का प्रशिक्षण लेने खासतौर से यूरोपीय देशों में जाते हैं। प्रबंधन के ऐसे प्रशिक्षण विदेशी सैर-सपाटे के बहाने हैं, इनका वास्तविकता से कोई संबंध नहीं होता। ऐसे प्रबंधनों के पाठ हमें खुद अपने देशज ज्ञान और अनुभव से लिखने होंगे।

प्रशासन के साथ हमारे राजनेता, उद्योगपति, फिल्मी सितारे और आला अधिकारी भी धार्मिक लाभ लेने की होड़ में व्यवस्था को भंग करने का काम करते हैं। इनकी वीआईपी व्यवस्था और यज्ञ कुण्ड अथवा मंदिरों में मूर्तिस्थल तक ही हर हाल में पहुंचने की रूढ़ मनोदशा, मौजूदा प्रबंधन को लाचार बनाने का काम करती है। आम श्रद्धालुओं के बाहर जाने का रास्ता कथित वीआईपी लोगों के लिए सुरक्षित कर दिया जाता है। नतीजतन भीड़ अनियंत्रित स्थिति में आ जाती है और दुर्घटना घट जाती है।

दरअसल मीडिया, राजनेता और बुद्धिजीवियों का काम लोगों को जागरूक बनाने का है कि तीर्थस्थलों में लोग कैसे अनुशासित व्यवहार करें। सामान्य जीवन व्यवहार और तीर्थस्थलों की सीमित जगह में बड़ी भीड़ के बीच मानवीय व्यवहार का फर्क तय किया जाना चाहिए। इस चेतना के अभाव में ही पिछले दो दशकों में हजारों लोग कुंभ, मेलों और मंदिर हादसों में मारे जा चुके हैं।

दरअसल, सरकार और स्थानीय प्रशासन को श्रद्धालुओं की भीड़ का आकलन करके आयोजन की तैयारी करनी चाहिए। साथ ही वैकल्पिक मार्गों और राहत बचाव को लेकर व्यापक प्लान बनाना चाहिए। निश्चित रूप से अब समय आ गया है कि इस दिशा में वैज्ञानिक प्रबंधन पर ध्यान दें।

डॉ संजय कुमार पाठक
अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख
भारतीय शिक्षण मंडल
केंद्र - दिल्ली
संपर्क - 9350399108
ssssp1972@gmail.com

महर्षि व्यास से एआई तक गुरु का बदलता परिदृश्य

महर्षि वेद व्यास ने महाभारत, पुराणों और भारतीय ज्ञान-परंपरा को संरचित किया, वे गुरु परंपरा के मूल प्रतीक हैं। उनकी भूमिका मात्र ज्ञान देने की नहीं, बल्कि धर्म, नीति, चेतना और सामाजिक संतुलन स्थापित करने की थी। वहीं दूसरी ओर आज का युग एआई (Artificial Intelligence) का है जहाँ एक क्लिक करते ही ज्ञान का भंडार उपलब्ध है, लेकिन वह ज्ञान प्रेरणा नहीं बन पाता, दृष्टि नहीं देता, और जीवन का मार्गदर्शन नहीं करता। महर्षि वेद व्यास से लेकर एआई तक गुरु की भूमिका कैसे बदली? क्या बदलनी चाहिए? और क्या नहीं बदलनी चाहिए? इन प्रश्नों का उत्तर हमें उस संक्रमणकालीन यात्रा में मिलेगा जो व्यास से शुरू होती है और एआई तक पहुँचती है।

मुगल आक्रांता महमूद गजनवी के साथ 1017 में भारत आए अलबरूनी ने अपने संस्मरण 'किताब-उल-हिन्द' में लिखे। इसमें अलबरूनी ने लिखा कि मैंने अपने भारत-भ्रमण के दौरान वहाँ के हिंदुओं में तीन विशेषताएँ देखीं, पहला वहां का हिन्दू झूठ नहीं बोलता, दूसरा उसे अपनी मौत से डर नहीं लगता और तीसरा उसे अपनी ज्ञान परम्परा और शास्त्रों पर अगाध विश्वास है। हम सभी के अनुभव में भी आता है कि अब तीनों ही परिस्थितियां विपरीत हो चुकी हैं।

समाज में व्याप्त दुष्प्रवृत्तियों का आधिकारिक रूप से बीजारोपण 1835 में मैकाले ने अपनी विषाक्त शिक्षा प्रणाली के माध्यम से किया था। उसने अपनी शिक्षा नीति के माध्यम से समाज के मानस में 'EEE' (English, Education, Employment) फार्मूले को प्रतिस्थापित कर दिया, जिसके फलस्वरूप संस्कृत, संस्कार और गुरुकुल जैसी भारत की मूल शिक्षा परंपराएँ धीरे-धीरे अप्रासंगिक होती चली गईं। शिक्षा का उद्देश्य 'युक्तकरी' से हटकर केवल 'नियुक्तिकरी' बन गया। आज़ादी के बाद यह स्थिति और विकृत हो गई, मैकाले की सोच में मदरसे और मार्क्स की विचारधारा भी जुड़ गई, जिससे भारतीय समाज के 'स्व' का भाव विलोपित होता गया। इसका परिणाम यह हुआ कि समाज अपनी प्राचीन गौरवशाली परंपराओं को भूलकर हीनभावना से ग्रस्त हो गया।

भारत केवल एक भू-भाग नहीं, बल्कि अध्यात्म का पर्याय है। यदि भारत को पुनः भारत बनाना है, तो हमें अपनी हजारों वर्षों पुरानी जड़ों से जुड़ना होगा। इसके लिए गुरु-शिष्य परंपरा, संस्कृत, गुरुकुल, परिवार, समाज और शिक्षा इन सभी संस्थाओं का गहन परिष्कार अनिवार्य है। जब हर प्रश्न का उत्तर इंटरनेट और एआई से मिलने लगा है, तब गुरु की आवश्यकता पर प्रश्न खड़े होना स्वाभाविक है, परंतु इसके प्रत्युमत्तगर में यह भी स्पष्ट है कि एआई सूचना दे सकता है पर बोध नहीं, वह तथ्य बता सकता है किन्तुर सत्य का बोध नहीं करा सकता। एआई ज्ञान दे सकता है पर विवेक नहीं। गुरु तो ज्ञान को दृष्टि में बदलता है और दृष्टि को जीवन में उतारता है। एआई युग में गुरु की भूमिका अब चेतना के संरक्षक के रूप में और भी महत्वनपूर्ण हो गई है।

वर्तमान शिक्षा में चरित्र निर्माण का तत्व गौण हो गया है। बचपन से ही बच्चों को केवल प्रतिस्पर्धा, रैंक, करियर और सफलता की भाषा सिखाई जा रही है, जबकि संयम, सहनशीलता, आदर, विनम्रता जैसे मूल्य धीरे-धीरे लुप्त हो रहे हैं। गुरु की पुनर्प्रतिष्ठा की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि संस्कारों के बिना शिष्य गुरु को समझ नहीं सकता और बिना श्रद्धा के गुरु का प्रभाव नहीं बनता।

आज का छात्र शिक्षा को सेवा नहीं, बल्कि उत्पाद मानने लगा है। फीस देने के बाद ज्ञान का रिटर्न ऑन इन्वेस्टेमेंट माँगने वाला समाज, गुरु को आचार्य नहीं, सेवाप्रदाता मान बैठा है। जब तक शिक्षा व्यभवसाय बनी रहेगी, तब तक छात्र और शिक्षक के बीच श्रद्धा का सेतु नहीं बन सकेगा। श्रद्धा तभी जागती है जब शिक्षक केवल ज्ञान नहीं, जीवन दर्शन भी साझा करता है।

गुरु बनने के लिए केवल पद नहीं, पात्रता चाहिए। वर्तमान समय में अधिकांश शिक्षक विषय विशेषज्ञ तो हैं, पर जीवन प्रशिक्षक एवं मार्गदर्शक नहीं बन पाए हैं। क्या शिक्षक आज भी विद्यार्थियों के भीतर मानवता का बीज बोते हैं? क्या वे केवल 'टॉपर्स' बनाने में लगे हैं, या चरित्रवान नागरिक भी बना रहे हैं? गुरु वही है, जो शिष्य के भविष्य को प्रतियोगिता में नहीं, बल्कि मूल्य में श्रेष्ठ बनाता है।

वर्तमान में युवा नौकरी की लालसा में छात्र की भूमिका में है और जीवन निर्वाह का सबसे आसान जरिया समझकर सूचना प्रदाता की आधी-अधूरी भूमिका का निर्वहन करने वाला व्यक्ति शिक्षक की भूमिका में है। छात्र के मन में न तो अपने शिक्षक के प्रति श्रद्धा है और न ही वह शिक्षा के मूल-उद्देश्य से परिचित है। जबकि, गुरु-शिष्य परंपरा केवल एक संस्थागत ढाँचा नहीं, बल्कि दो जीवंत चेतनाओं के बीच का संबंध है। जब व्यक्ति को अपने अज्ञान का ज्ञान हो जाता है तो उसके मन मे अनेक संशयों का जन्म होता है और वह उन संशयों के समाधान हेतु गुरु की तलाश प्रारम्भ करता है। शिष्यता एक साधना है और गुरुत्व एक तपस्या। इस संबंध की पुनर्स्थापना के बिना शिक्षा केवल सूचना बनकर रह जाएगी और समाज दिशा हीन हो जाएगा।

कुछ उपायों पर विशेष ध्यान देने की आवश्येकता है। नई शिक्षा नीति में मूल्य आधारित शिक्षा का समावेश केवल दस्तावेजों में नहीं बल्कि व्यावहार में होना चाहिए। शिक्षा संस्थानों में गोष्ठियों, चिंतन शिविर, चरित्र निर्माण के वर्गों की आवश्यकता है। संस्थानों में गुरु-शिष्यु का संवाद आत्मीय होना चाहिए। शिक्षक प्रशिक्षण में आत्मिक अनुशासन भी अनिवार्य हो। समाज को यह समझना होगा कि शिक्षा विकास का उद्योग नहीं बल्कि संस्कारों का यज्ञ है। आज टेक्नोलॉजी के संयमित उपयोग की जरूरत है क्योंकि एआई औ डिजीटल टूल्स गुरु का विकल्प नहीं बल्कि सहायक हैं।

ऋषि वेद व्यास से एआई तक की यह यात्रा हमें सिखाती है कि ज्ञान का स्वरूप चाहे कितना भी बदले, उसके केंद्र में गुरु की आवश्यकता अपरिवर्तनीय है। आज जब समाज विज्ञान और प्रौद्योगिकी की ऊँचाइयों को छू रहा है, वहीं मानवता और संवेदनशीलता की नींव डगमगा रही है। तकनीकी निर्भरता का यह युग हमें तेज़ी से सुविधा की ओर ले जा रहा है, लेकिन साथ ही आने वाली पीढ़ी का बौद्धिक विकास, विश्लेषण क्षमता और आत्मनिर्भर चिन्तन भी प्रभावित हो रहा है। अब शिशु अवस्था से ही मनुष्य केवल 'टूल-ड्रिवन' बनता जा रहा है, जो विचार करने के बजाय खोजने का आदी हो गया है। यह स्थिति केवल सामाजिक, सांस्कृतिक संकट का संकेत भी है। ऐसे में गुरु-शिष्य परंपरा ही सामाजिक स्थायित्व, नैतिक पुनर्जागरण और सांस्कृतिक पुनर्संस्कार दे सकती है। समाज के समग्र परिष्कार का मार्ग केवल वहीं से निकलेगा।

(लेखक भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख हैं)

डॉ. सुरेश मोटवानी
(एग्रोनोमिस्ट, वरिष्ठ पोषण विशेषज्ञ एवं एक्टिविस्ट)

शाकाहार और पोषण भ्रम बनाम वास्तविकता

हाल ही में एक विज्ञापन ने ध्यान खींचा, जिसमें दावा किया गया था, "भारत में 39% लोग शाकाहारी हैं और शाकाहारियों में विटामिन की कमी का खतरा अधिक है।" यह बयान सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, बल्कि एक सुनियोजित मानसिकता का प्रतिनिधित्व करता है, एक ऐसी सोच जो हमारी पारंपरिक भोजन संस्कृति को कमतर दिखाकर बाजार में पोषण उत्पादों की बिक्री बढ़ाना चाहती है।

यह कोई नई रणनीति नहीं है। बीते वर्षों में, स्वास्थ्य से जुड़े कई अभियानों ने उपभोक्ताओं के मन में भय और भ्रम का वातावरण बनाया है। उपभोक्तावादी इस मनोवैज्ञानिक चाल को सरल शब्दों में यूं समझा जा सकता है कि 'डर का माहौल बनाओ और उत्पाद बेचो।' डर से बाजार का विस्तार आज कई उत्पादों की मार्केटिंग का मूल मंत्र बन गया है। लेकिन अब वक्त है कि इस डर के पर्दे को हटाया जाए और सच की रोशनी में तथ्य आधारित चर्चा की जाए। हमें शाकाहार और पोषण से जुड़े मिथकों को चुनौती देनी होगी और यह समझना होगा कि पोषण की कमी का कारण केवल शाकाहार नहीं, बल्कि अनियमित और असंतुलित भोजन शैली है।

पोषण का संकटः समस्या भोजन की प्रकृति से नहीं, उसकी संरचना से है

वर्तमान समय में जब पोषण पर जागरूकता बढ़ रही है, तब यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि पोषण की कमी का कारण भोजन की प्रकृति (शाकाहार अथवा मांसाहार) नहीं, बल्कि उसकी संरचना और गुणवत्ता होती है। वास्तविकता यह है कि कोई भी एकतरफा, असंतुलित और खराब तरीके से तैयार किया गया आहार, चाहे वह शाकाहारी हो या मांसाहारी, आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति करने में विफल हो सकता है। यदि भोजन विविध नहीं है, मौसमी नहीं है, या उसमें ताजगी और पारंपरिक संतुलन नहीं है, तो पोषण की कमी रहना तय है। आज हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं जहाँ भोजन की पोषण-सम्बंधी समस्याएं उसकी 'प्राकृतिकता' नहीं, बल्कि उसके 'प्रसंस्कृत और रासायनिक' स्वरूप से उपजी हैं। जंक फूड, प्रोसेस्ड मील्स, इंस्टेंट रेडी-टू-ईट पैकेट्स और अत्यधिक रिफाइंड उत्पादों ने आधुनिक जीवनशैली को सुविधाजनक तो बना दिया है, लेकिन हमारे भोजन का पारंपरिक संतुलन और पोषणात्मक गहराई छीन ली है। ऐसे में सिर्फ शाकाहारी भोजन को विटामिन की कमी का कारण ठहराना, एकतरफा और भ्रामक निष्कर्ष है। यह न केवल तथ्यों की अवहेलना करता है, बल्कि एक संपूर्ण आहार पद्धति की छवि को भी धूमिल करता है, जो सदियों से आयुर्वेद और भारतीय परंपरा के अनुरूप पोषण देने में सक्षम रही है। वास्तविक समाधान यही है कि हम अपने भोजन की संरचना पर ध्यान दें कि वह विविधता के साथ मौसमी अथवा ऋतू अनुसार हो। साथ ही साथ वह स्थानीय उत्पाद हो, जिससे उसे यथासंभव प्राकृतिक व ताजे रूप में उसे ग्रहण किया जा सके। सच यह है कि संतुलित शाकाहारी भोजन, जब ठीक से योजना बनाकर लिया जाए, तो वह न केवल शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रख सकता है, बल्कि बीमारियों से लड़ने में भी सहायक सिद्ध होता है।

शाकाहारः विज्ञान और परंपरा दोनों से प्रमाणित समाधान

शाकाहार केवल एक सांस्कृतिक या धार्मिक परंपरा नहीं है, बल्कि यह विज्ञान आधारित और स्वास्थ्यप्रद आहार प्रणाली भी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO), अमेरिकन डायटेटिक एसोसिएशन और ब्रिटिश न्यूट्रिशन फाउंडेशन जैसी प्रतिष्ठित वैश्विक संस्थाएं यह स्पष्ट कर चुकी हैं कि एक संतुलित और योजनाबद्ध शाकाहारी (यहां तक कि शुद्ध वीगन) आहार पोषण की दृष्टि से पूरी तरह पर्याप्त है। इसका अर्थ यह नहीं कि शाकाहारी आहार में कोई चुनौती नहीं होती। उदाहरण के लिए, विटामिन B12 की कमी शुद्ध शाकाहारियों में संभावित हो सकती है, क्योंकि यह विटामिन मुख्य रूप से पशु उत्पादों में पाया जाता है। लेकिन इसका समाधान हमारे देश में पहले से मौजूद है – जैसे फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थ, दूध, अनाज, सोया पेय और डॉक्टर की सलाह से लिए जा सकने वाले सस्ते व प्रभावी सप्लीमेंट्स। इसके अतिरिक्त, आयरन, कैल्शियम, जिंक, ओमेगा-3 और फाइबर जैसे अन्य महत्वपूर्ण पोषक तत्व हमारे पारंपरिक भारतीय भोजन में प्रचुर मात्रा में मिलते हैं। दालें, हरी पत्तेदार सब्जियां, साबुत अनाज, मेवे, बीज और मौसमी फल न केवल स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि पोषण की दृष्टि से भी बेहद समृद्ध हैं। इस प्रकार, यदि आहार संतुलित और विविध हो, तो शाकाहार एक पूर्ण और प्रभावी पोषण प्रणाली सिद्ध हो सकता है।

भारतीय थालीः सदियों से पोषण का जीवंत विज्ञान

भारतीय खानपान प्रणाली कोई संयोग नहीं है, बल्कि यह एक गहराई से सोच-समझकर विकसित की गई पोषण परंपरा है। यह केवल स्वाद का नहीं, बल्कि संतुलित पोषक तत्वों का विज्ञान है, जो पीढ़ियों से हमारी थाली में शामिल रहा है। यदि हम एक साधारण ग्रामीण थाली को भी देखें, तो उसमें पोषण का अद्भुत संतुलन दिखाई देता हैः

दाल से मिलता है प्रोटीन और आयरन
हरी सब्जियों से फाइबर, फोलेट और मिनरल्स
रोटी या चावल से कार्बोहाइड्रेट यानि ऊर्जा
दही से कैल्शियम और प्रोबायोटिक्स
नींबू या सलाद से विटामिन C

यह परंपरा इस बात का प्रमाण है कि भारतीय भोजन सिर्फ पेट भरने का माध्यम नहीं, बल्कि स्वास्थ्य का संरक्षण करने वाली एक संपूर्ण प्रणाली है।

नीतिगत और नैतिक चुनौती है डर फैलाने वाली मार्केटिंग

जब कोई कंपनी यह संदेश देती है कि शाकाहारी भोजन से शरीर को आवश्यक पोषण नहीं मिल सकता, तो यह केवल एक उत्पाद बेचने का प्रयास नहीं होता। यह हमारी सांस्कृतिक जड़ों, पारंपरिक ज्ञान और खानपान की विरासत पर सीधा प्रहार होता है। इस तरह के भ्रामक विज्ञापन न केवल उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन करते हैं, बल्कि समाज में अनावश्यक भ्रम, भय और मानसिक असुरक्षा का वातावरण भी पैदा करते हैं। यह रणनीति उपभोक्ता को डरा कर उत्पाद बेचने की मानसिकता को दर्शाती है, जो नैतिकता की दृष्टि से गंभीर चिंता का विषय है। इसलिए यह आवश्यक है कि खाद्य और पोषण से जुड़े विज्ञापनों में वैज्ञानिक समीक्षा, तथ्यपरकता और नैतिक संतुलन को अनिवार्य बनाया जाए। इसके लिए सख्त निगरानी, नियमन और जन-जागरूकता की जरूरत है, ताकि उपभोक्ता सही जानकारी के आधार पर निर्णय ले सकें।

पोषण के नाम पर भय नहीं, भरोसे की ज़रूरत

शाकाहार केवल एक खानपान की शैली नहीं, बल्कि एक मूल्य है, लजो टिकाऊ, नैतिक, पर्यावरण के अनुकूल और स्वास्थ्यप्रद जीवनशैली का प्रतिनिधित्व करता है। इसमें सुधार की गुंजाइश हो सकती है, लेकिन इसे दोषपूर्ण ठहराना न केवल अविवेकपूर्ण है, बल्कि एक समृद्ध परंपरा के प्रति अनुचित भी है। आज जरूरत इस बात की है कि हम उस पारंपरिक खाद्य संस्कृति पर भरोसा करें, जो हमें पीढ़ियों से संतुलित पोषण देती आई है। इसके लिए सबसे जरूरी कदम हैः डर फैलाने वाली मार्केटिंग को ना कहना और तथ्य आधारित, वैज्ञानिक पोषण को अपनाना। सच और समझदारी से जुड़ा आहार ही हमें बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य की ओर ले जा सकता है।

drsmotwani@gmail.com
+91 88277 70797

हमारा स्वराज

भोपाल, बुधवार, 02 जुलाई 2025

बिना परमिट चल रही थी स्कूल बस पर कार्रवाई

हमारा स्वराज । अनूपपुर

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर "सुरक्षित स्कूल बस अभियान" के तहत कार्यवाही आगामी 7 दिनों तक लगातार चलाया गया है।

इसी तारतम्य में कोतमा क्षेत्र में संचालित 12 निजी स्कूल बसों पर हाईवे चौकी द्वारा प्रभावी कार्रवाई करते हुए कुल 18,500/- रुपए जुर्माना वसूला गया। इस दौरान बस MP18P2226 बिना परमिट और नंबर प्लेट के पाई गई, जिसे हाईवे चौकी स्टाफ द्वारा मौके पर जब्त कर 11,000/- जुर्माना किया गया। इसके अतिरिक्त अन्य स्कूल बसों में भी नियमों का पालन नहीं करने पर कार्रवाई की गई।

बैगान टोला प्राथमिक विद्यालय में भारी अव्यवस्था बच्चे करते रहे इंतजार, शिक्षक नहीं आए

हमारा स्वराज । जैतहरी/ अनूपपुर

जनपद जैतहरी के ग्राम पंचायत कोलमी स्थित बैगान टोला प्राथमिक विद्यालय में शैक्षिक अव्यवस्था का मामला सामने आया है। मंगलवार, 1 जुलाई को सुबह 11 बजे तक विद्यालय के शिक्षक स्कूल नहीं पहुंचे, जिसके चलते बच्चे घंटों तक स्कूल परिसर में बैठकर शिक्षक का इंतजार करते रहे। विद्यालय में समय पर ताला नहीं खुलने और शिक्षकों के अनुपस्थित रहने से बच्चों की पढ़ाई पर सीधा असर पड़ रहा है। ग्रामीणों ने इस लापरवाही पर नाराजगी जाहिर की है और जिम्मेदार शिक्षकों के विरुद्ध उचित कार्यवाही की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि पहले भी कई बार ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन संबंधित विभाग द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले ऐसे शिक्षकों पर कठोर कार्रवाई की मांग उठाई जा रही है।

ग्रामीणों ने शिक्षा विभाग से मांग की है कि विद्यालय की नियमित निगरानी की जाए और अनुपस्थित रहने वाले शिक्षकों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

अनूपपुर रक्सा कोलमी मॉडल विश्वास और परंपरा से औद्योगिक प्रोजेक्ट की अनूठी शुरुआत

आस्था, परंपरा, संस्कृति और विश्वास की नींव पर औद्योगिक प्रगति की आधारशिला रखी

हमारा स्वराज । जैतहरी/अनूपपुर

कोलमी गांव की धरती पर 30 जून की सुबह विकास की एक नई गाथा लिखी गई। इस दिन सिर्फ ईंट और पत्थर नहीं जुड़े, बल्कि आस्था, परंपरा, संस्कृति और विश्वास की नींव पर औद्योगिक प्रगति की आधारशिला रखी गई। न्यू जोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड थर्मल पावर प्रोजेक्ट की भूमि पर ग्रामवासियों ने खुद आगे बढ़कर पूजा-अर्चना, कन्या पूजन, हवन और भव्य भंडारे का आयोजन किया। यह सिर्फ भूमि पूजन नहीं था—यह था उस भरोसे और भागीदारी का उत्सव, जो अब गांव और उद्योग के बीच एक सेतु की तरह स्थापित हो चुका है।

भोर की किरणों के साथ कोलमी की गलियों में चहल-पहल शुरू हो गई थी। गांव के कोने-कोने से महिलाएं थाल में पूजा सामग्री लेकर ग्राम देवता के स्थान की ओर बढ़ रही थीं। गांव के बुजुर्ग शुद्ध वस्त्र पहनकर आयोजन स्थल पर पहुंचे और युवा व्यवस्था में लग गए। शंखनाद और ढोल की ध्वनि के साथ कन्या पूजन शुरू हुआ। नौ छोटी बच्चियों के पांव धोकर उन्हें आसन पर बैठाया गया। उनके चेहरे पर चमक थी, और ग्रामीणों की आंखों में श्रद्धा। यह एक ऐसा दृश्य था जो किसी चित्रकला से कम नहीं था।

कंपनी अधिकारियों की सहभागिता साझेदारी का नया अध्याय

इस अवसर पर न्यू जोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुधाकर पाण्डेय, उपाध्यक्ष सुशील कांत मिश्रा और कंपनी के कई अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। उन्होंने कन्याओं को अपने हाथों से भोजन परोसा, उनके पांव छूकर आशीर्वाद लिया और ग्रामीणों के साथ भोजन कर एक अद्वितीय सहभागिता का उदाहरण प्रस्तुत किया। न्यू जोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड थर्मल पॉवर प्लांट कंपनी के सीनियर उपाध्यक्ष सुधाकर पाण्डेय ने भावुक स्वर में कहा 'हमने कई प्रोजेक्ट देखे हैं, लेकिन कोलमी का यह स्वागत और विश्वासपूर्ण भूमि पूजन अभूतपूर्व है। जब जनता खुद विकास को बुलाती है, तो सफलता की गारंटी अपने आप बन जाती है।'

भंडारे में समरसता का उत्सव

कन्या भोज के बाद पूरे गांव के लिए भव्य भंडारे की व्यवस्था की गई थी। हर जाति, वर्ग और आयु के लोग पंक्तिबद्ध होकर बैठ गए। खीर, पूरी, चना, सब्जी और रायते से सजे थाल हर किसी के लिए समान थे। महिलाएं प्रेम से परोस रही थीं, बच्चे हंसी-खुशी खाना खा रहे थे और वृद्ध संतोष से वातावरण को देख रहे थे। यह केवल भोजन नहीं था, यह था कोलमी की सामाजिक समरसता का दृश्य रूप—जहां कोई भेदभाव नहीं, सिर्फ सहभागिता और सद्भावना थी। पूरे आयोजन स्थल पर शांति और उल्लास का अद्भुत संतुलन था। मंत्रोच्चार की पवित्रता, हवन की अग्नि से उठती सुगंध, और उनका भक्तिभाव।

आसपास के पहाड़ों से आती ठंडी हवा, खेतों की हरियाली और खुले आसमान तले यह आयोजन किसी पर्व जैसा लग रहा था। कैमरे, मोबाइल से हर क्षण को रिकॉर्ड किया जा रहा था। कुछ ग्रामीण युवाओं ने लाइव वीडियो के माध्यम से इस ऐतिहासिक क्षण को दुनिया से साझा किया

भूमि पूजन और **सीमांकन विकास की वास्तविक शुरुआत** : कन्या पूजन और भंडारे के पश्चात ग्राम के प्रमुख नागरिकों सोहन रामदास, मंगल, श्याम नारायण और मोहनलाल साई ने प्रोजेक्ट की अधिग्रहित भूमि पर विधिवत भूमि पूजन किया। मंत्रोच्चार के बीच भूमि पर नारियल फोड़ा गया, कलश स्थापना हुई और चूना डालकर सीमांकन किया गया। बाउंड्री वाल के पहले चरण में कंटीले तारों के पोल गाड़ने का काम भी विधिवत रूप से शुरू हुआ। यह वह क्षण था जब विकास की योजनाएं कागज से धरातल पर उतरने लगीं। ग्रामीणों ने खुद अपने हाथों से पिलर गाड़े, जिससे यह संदेश गया कि यह प्रोजेक्ट "उनका अपना है"।

ग्रामीणों की भावनाएं 'विकास' अब सपना नहीं, सच्चाई है

आम तौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि अधिग्रहण को लेकर आशंका, विरोध और संघर्ष देखे जाते हैं। लेकिन कोलमी में यह परिदृश्य पूरी तरह अलग था। यहां ग्रामीणों ने स्वयं आगे आकर न केवल प्रोजेक्ट का स्वागत किया, बल्कि पूजा-पाठ से इसे अपने भविष्य के साथ जोड़ दिया। एक ग्रामीण महिला ने कहा "जब हमने सुना कि कंपनी पहले कन्या पूजन करेगी, तो हमें यकीन हो गया कि ये लोग हमारे गांव की परंपराओं और भावनाओं की कद्र करते हैं। एक युवक ने कहा "पहली बार लग रहा है कि कोई कंपनी सिर्फ मशीनें नहीं, इंसान और संस्कृति को भी साथ लेकर चल रही है। हम सब इसके साथ हैं।"

कंपनी का दृष्टिकोण पर्यावरण, रोजगार और विश्वास की तिहरी नीति

कंपनी अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि प्रोजेक्ट में पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय रोजगार और सामाजिक सहयोग को प्राथमिकता दी जाएगी। ग्रीन बेल्ट, रोजगार शिविर, पेयजल योजना, सड़क और स्कूल सुधार, स्वास्थ्य शिविर जैसी अनेक योजनाएं प्रस्तावित हैं। न्यू जोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड थर्मल पॉवर प्लांट के उपाध्यक्ष सुशील कांत मिश्रा ने कहा "कोलमी का यह आयोजन बताता है कि जब आप लोगों की भावनाओं को समझते हैं, तो वे आपके साथ चलने को तैयार हो जाते हैं। हमारी प्राथमिकता है—यह प्रोजेक्ट जितना सफल हो, उतना ही स्थानीय समाज के लिए उपयोगी भी हो।"

रक्सा कोलमी मॉडलऔद्योगिक विकास और ग्रामीण आस्था का संगम

यह आयोजन अब एक मॉडल के रूप में देखा जा रहा है—जहां ग्रामीणों की सहमति, सांस्कृतिक सम्मान और कंपनी की पारदर्शिता के साथ एक औद्योगिक परियोजना की नींव रखी गई। यह भविष्य में सरकारों, कंपनियों और जनसमुदाय के बीच समन्वय का एक आदर्श उदाहरण बन सकता है। यह आयोजन सिर्फ एक परियोजना का शुभारंभ नहीं, बल्कि यह दर्शाता है कि विकास तब ही सार्थक होता है, जब वह लोगों की आस्था, संस्कृति और उम्मीदों से जुड़ता है।

उपस्थित ग्रामीणों और सहभागिता

इस आयोजन में कोलमी के सभी नागरिकों को आमंत्रित किया गया था। प्रमुख रूप से सोहन रामदास, मंगल, श्याम नारायण, मोहनलाल साई, ललिता देवी, अर्जुन सेन, देवकुमार, राधेश्याम पटेल, दीपक साहू, रूपलाल, प्रभा बाई सहित सैकड़ों ग्रामीणों की उपस्थिति रही। हर वर्ग के लोग, चाहे किसान हों या मजदूर, बुजुर्ग हों या युवा, महिलाएं हों या कन्याएं—सभी ने अपनी भागीदारी निभाई।

कोलमी से निकला विश्वास का संदेश

कोलमी में आयोजित यह कन्या पूजन, भूमि पूजन और भंडारा केवल एक औपचारिकता नहीं थी—यह था उस "आशा" का उत्सव, जिसे वर्षों से ग्रामीण अपने मन में पालते रहे हैं। अब वह सपना थर्मल पावर प्रोजेक्ट के रूप में मूर्त रूप ले रहा है। न्यू जोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और ग्रामवासियों के बीच बना यह विश्वास एक ऐसी नींव है, जिस पर भविष्य का समृद्ध गांव, आत्मनिर्भर युवा और पर्यावरण-संरक्षित उद्योग खड़े होंगे।

नौ साल से फरार आरोपी छत्तीसगढ़ से गिरफ्तार

हमारा स्वराज । अनूपपुर

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान के द्वारा जिले के समस्त थाना प्रभारियों को लम्बे समय से फरार चल रहे आरोपियों की पता तलाश कर गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया गया है। इस पर थाना कोतवाली अनूपपुर द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मन्सूरी, एसडीओपी अनूपपुर सुमित केरकेट्टा के मार्गदर्शन में धोखाधड़ी के प्रकरण में 09 वर्षों से फरार चल रहे आरोपी रामाधार चौधरी निवासी अमगवा थाना जैतहरी को छत्तीसगढ़ से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

जानकारी अनुसार 30 अप्रैल 2016 को फरियादी टीकम प्रसाद रजक पिता विशाल रजक उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम हर्री द्वारा थाना कोतवाली अनूपपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि सृष्टि वेयर कंपनी के एजेन्ट संतोष राठौर एवं नरेन्द्र राठौर के द्वारा फरियादी को 05 वर्षों में पैसा डबल करने एवं प्रत्येक माह 750 रूपये का बोनस दिये जाने का लालच देकर फरियादी से 50 हजार रुपए लेकर सृष्टि वेयर कंपनी की पॉलिसी दी गई। रामाधार चौधरी द्वारा फरियादी से लिये गये रूपये की कोई पॉलिसी नहीं दी गई है। इस पर थाना कोतवाली अनूपपुर ने प्रकरण दर्ज किया था।

प्रकरण के अन्य 08 आरोपियों सामियल लिबिन्सटन , जगदीश प्रसाद चर्मकार, रामकृपाल कोल, ननदऔ राठौर, देवेन्द्र कुमार राठौर, रामकिशोर रैदास रामलाल चौधरी, नरेन्द्र कुमार राठौर, संतोष राठौर को गिरफ्तार किया जा चुका था। आरोपी रामाधार चौधरी नौ साल से फरार । 1 जुलाई को टी.आई. कोतवाली निरीक्षक अरविन्द जैन के नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक भगवान सिहं पाटले, प्रधान आरक्षक शिवशंकर प्रजापति, विनय बैस, सायबर सेल से आरक्षक पंकज मिश्रा द्वारा आरोपी रामाधार चौधरी पिता चैतू चौधरी उम्र 45 वर्ष निवासी ग्राम अमगवां थाना जैतहरी जिला अनूपपुर को छत्तीसगढ़ के पेंड्रा से गिरफ्तार किया गया है।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को देख बैठक

हमारा स्वराज । अनूपपुर

कलेक्टर हर्षल पंचोली ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 4 जुलाई को अनूपपुर जिले के कोतमा में प्रस्तावित कार्यक्रम को दृष्टिगत रखते हुए आज कलेक्ट्रेट कार्यालय के नर्मदा सभागार में तैयारी संबंधी समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों से कार्यक्रम की व्यवस्थाओं जैसे कि भूमि पूजन, लोकार्पण, हितलाभ वितरण, भोजन, पेयजल एवं बैठक व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी तैयारियां समयबद्ध एवं समुचित ढंग से सुनिश्चित की जाएं, जिससे कार्यक्रम निर्विघ्न संपन्न हो। कलेक्टर पंचोली ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रस्तावित कार्यक्रम में वृक्षारोपण, विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन तथा मुख्य कार्यक्रम शामिल हैं। उन्होंने जिले के समस्त अधिकारियों को उनके सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा और उत्तरदायित्व के साथ करने के निर्देश दिए।

सागर में लूट और चोरी का आदतन आरोपी गिरफ्तार

हमारा स्वराज । सागर

सागर जिले की बहेरिया थाना पुलिस ने लूट और चोरी के पुराने आरोपी सोनू अहिरवार को अवैध छुरा रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की कमर से धारदार बकानुमा छुरा जब्त किया है। पुलिस के अनुसार ग्राम रूसल्ला निवासी सोनू अहिरवार (24), जो फिलहाल ग्राम सिद्दुआ में रह रहा है, अवैध रूप से छुरा लेकर घूम रहा था। मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस टीम तत्काल रवाना हुई। सिद्दुआ में पुलिस को देख आरोपी भागने लगा, लेकिन घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया।

शिक्षकों ने ई-अटेंडेंस का किया विरोध

हमारा स्वराज । सीहोर

सीहोर जिले में 1 जुलाई से लागू की गई ई-अटेंडेंस व्यवस्था का शिक्षकों ने विरोध किया। सोमवार को जिले के कई सरकारी स्कूलों में शिक्षक काली पट्टी बांधकर पहुंचे और सार्थक ऐप के जरिए अटेंडेंस दर्ज करने के बजाय पारंपरिक रजिस्टर में हस्ताक्षर किए। शिक्षकों ने स्कूलों में उपवास रखा और नारेबाजी कर विरोध जताया। सांदीपनि विद्यालय सीएम राइज स्कूल के एक शिक्षक ने कहा कि जब तक यह व्यवस्था वापस नहीं होती, हमारा विरोध जारी रहेगा।

कुछ शिक्षकों ने ऐप से उपस्थिति दर्ज करने की कोशिश की, लेकिन नेटवर्क समस्या के कारण वे सफल नहीं हो सके। शिक्षकों ने कहा कि तकनीकी समस्या, खराब मौसम और अन्य कारणों से ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली व्यावहारिक नहीं है।

शिक्षकों का कहना है कि ई-अटेंडेंस व्यवस्था सिर्फ शिक्षा विभाग में ही क्यों? यदि व्यवस्था जरूरी है तो इसे सभी विभागों में समान रूप से लागू किया जाए। या फिर इसे बंद किया जाए। सीहोर जिले में कुल 1565 स्कूल संचालित हो रहे हैं। 801 प्राथमिक, 531 मिडिल, 123 हाई स्कूल, 110 हायर सेकेंडरी। इसके अलावा 3 मॉडल स्कूल, 14 सीएम राइज स्कूल, 1 एक्सीलेंस स्कूल और 15 पीएम श्री स्कूल शामिल हैं। जिले में कक्षा 6वीं से 12वीं तक के 15 छात्रावास भी संचालित हो रहे हैं।

शासन का आदेश पालन करना होगा

जिला परियोजना समन्वयक (DPC) आरआर ऊईके ने कहा कि शासन के निर्देश पर मैंने खुद ई-अटेंडेंस लगाई है। आदेश का पालन सभी शिक्षकों को करना होगा। कितने शिक्षकों ने अटेंडेंस लगाई, इसका डाटा शाम तक मिलेगा।

ग्राम पंचायत में काम का पैसा नहीं मिला, 6.25 लाख का भुगतान अटका

पूजा की थाली लेकर जनसुनवाई में पहुंचा ठेकेदार

हमारा स्वराज । रायसेन

रायसेन के सांची ब्लॉक की ग्राम पंचायत शाहपुर में निर्माण कार्य का भुगतान नहीं मिलने से परेशान एक ठेकेदार मंगलवार को जनसुनवाई में अनोखे तरीके से पहुंचा। ठेकेदार पूजन की थाली सजाकर कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा के सामने पेश हुआ। थाली में दीपक जल रहा था, माला भी रखी थी। ठेकेदार ने कहा कि उसने पंचायत में लाखों के काम किए, लेकिन भुगतान आज तक नहीं हुआ। ठेकेदार हल्केराम ने बताया कि उसने ग्राम पंचायत शाहपुर में नाली, पुलिया, नाडेप कचरा घर (10 नग) और आंगनबाड़ी भवन की मरम्मत का कार्य वर्ष 2022 में पूरा किया था। लेकिन अब तक 6 लाख 25 हजार रुपये का भुगतान नहीं हुआ है। कलेक्टर ने मामला पंचायत का होने के चलते जिला पंचायत सीईओ को सुनवाई करने को कहा।

मौखिक आदेश पर कराया गया था काम

हल्केराम ने बताया कि सरपंच मोहन किशोर के मौखिक निर्देश पर उसने ये सभी निर्माण कार्य शुरू किए थे। नाली निर्माण के लिए 2.73 लाख रुपए, पुलिया के लिए 1 लाख रुपए, हर नाडेप यूनिट के लिए 22 हजार और आंगनबाड़ी रिपेयरिंग के लिए 72 हजार रुपए तय हुए थे। मजदूरों से काम करवाकर निर्माण पूरा करवा दिया, लेकिन भुगतान नहीं मिला।

केवल 40 हजार रुपए मिले

ठेकेदार ने बताया कि पंचायत की ओर से उसे केवल 40 हजार रुपये का आंशिक भुगतान किया गया है। शेष राशि के लिए वह बार-बार गुहार लगा रहा है, लेकिन हर बार टाल दिया जाता है। परेशान होकर वह पूजा की थाली लेकर जनसुनवाई में पहुंचा ताकि प्रशासन उसकी बात को गंभीरता से ले। हल्केराम का कहना है कि सभी काम दो साल पहले पूरे हो चुके हैं। "आप चाहें तो मौका स्थल पर जाकर काम देख सकते हैं," ऐसा उसने जनसुनवाई में कहा। उसने प्रशासन से मांग की कि पंचायत से उसका बकाया भुगतान जल्द दिलवाया जाए।

सावन का माहौल

बाबा महाकाल की सवारी के दौरान "नो सेल्फी सिर्फ सेवा" की नीति

हमारा स्वराज । उज्जैन

सावन के महीने में बाबा महाकाल की सवारी देखने के लिए लाखों श्रद्धालु हर साल उज्जैन पहुंचते हैं, लेकिन इस बार की सवारी में कुछ खास बदलाव देखने को मिलेंगे। एसपी प्रदीप शर्मा ने इस वर्ष 'नो सेल्फी सिर्फ सेवा' की थीम के तहत एक नई योजना बनाई है, जिसके तहत श्रद्धालुओं को सवारी के दौरान मोबाइल फोन से सेल्फी लेने या वीडियो रिकॉर्ड करने की अनुमति नहीं होगी। बाबा महाकाल की सवारी के दौरान भक्त अक्सर फोटो और वीडियो लेने में इतना व्यस्त हो जाते हैं कि वे एक-दूसरे को धक्का देते हैं, जिससे अव्यवस्था फैलती है और बाबा महाकाल की दिव्यता में बाधा आती है। इसे ध्यान में रखते हुए, एसपी प्रदीप शर्मा ने पहले से ही इस संबंध में निर्देश जारी कर दिए हैं। सवारी मार्ग पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे और मोबाइल डिटेक्शन टीम भी तैनात की जाएगी। यदि कोई श्रद्धालु सवारी के दौरान मोबाइल का उपयोग करता है, तो उसे तुरंत टोका जाएगा और आवश्यकतानुसार सवारी क्षेत्र से बाहर भी किया जा सकता है।

आस्था पर आधारित दर्शन : एसपी ने कहा, 'यह बाबा महाकाल की परंपरा और श्रद्धा का विषय है, न कि सोशल मीडिया पर दिखावा। हम चाहते हैं कि भक्त पूरी श्रद्धा और एकाग्रता के साथ दर्शन करें, न कि मोबाइल कैमरे में दृश्य कैद करने में लगे रहें।'

श्रद्धालुओं से सहयोग की अपील : एसपी ने सभी श्रद्धालुओं से अनुरोध किया है कि वे इस व्यवस्था का पालन करें और सवारी के दौरान मोबाइल को जेब या बैग में रखें। आयोजन को शांतिपूर्ण, दिव्य और अनुशासित बनाए रखने में सभी का सहयोग आवश्यक है। इस बार का सावन श्रद्धा और सेवा का प्रतीक बनेगा।

स्कूलों का नया समय : रविवार को खुलेंगे, सोमवार को छुट्टी

हमारा स्वराज । उज्जैन

महाकाल की श्रावण सवारी के मद्देनजर, उज्जैन में पहली से 12वीं कक्षा तक के सभी सरकारी और निजी स्कूलों के लिए एक नया शैक्षणिक कार्यक्रम लागू किया गया है। 14 जुलाई से 11 अगस्त तक, स्कूल हर रविवार को खुलेंगे, जबकि सोमवार को छुट्टी रहेगी। यह फैसला सवारी के दौरान बढ़ती भीड़ को देखते हुए लिया गया है, जिससे बच्चों और श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।श्रावण का महीना 11 जुलाई से शुरू हो रहा है और इस दौरान महाकाल मंदिर से कुल छह सवारियां निकलेंगी। पहली सवारी 14 जुलाई को होगी, जिसके चलते उस दिन सभी स्कूलों में छुट्टी रहेगी। इस व्यवस्था के तहत, सवारी वाले दिनों पर स्कूलों की छुट्टियां होंगी, जबकि एक दिन पहले यानी रविवार को स्कूलों का संचालन होगा। स्कूल शिक्षा विभाग जल्द ही इस संबंध में एक आधिकारिक आदेश जारी करेगा, जो नगर निगम क्षेत्र के सभी स्कूलों पर लागू होगा। सवारी के मार्ग में बदलाव के साथ, प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया है कि भक्तों और विद्यार्थियों के लिए कोई असुविधा न हो। सवारी के दिन, श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए, स्कूलों का संचालन रविवार को किया जाएगा। महाकाल की सवारी के दिन, भक्तों की संख्या में इजाफा होता है, जिसके कारण स्कूलों की बसें भीड़ में फंस जाती हैं। इस निर्णय का उद्देश्य सभी को सुगम यात्रा और शिक्षा का अनुभव प्रदान करना है।

वन विभाग ने तैयार की कार्ययोजना : मानसून सीजन में वन विभाग खाली जमीन पर कर रहा पौधारोपण

सात रेंज के 775 हेक्टेयर क्षेत्र में चार लाख 35 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य

हमारा स्वराज । धार

वन विभाग जिले में बड़े स्तर पर पौधरोपण किया जा रहा है। इसके लिए वन क्षेत्रो में गड्ढे खोदने के साथ ही अन्य तैयारियां पूरी कर पौधा रोपण का काम भी किया जा रहा है। वन भूमि को हरा भरा बनाने के लिए वन विभाग की यह कार्य की तैयारी गर्मी में ही कर के रख ली थी । पौधरोपण के लिए जिले के अलग-अलग क्षेत्रो में पौधे वन विभाग को उपलब्ध ह्यो रहे है वही रोपे गए पौधों की सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। साथ ही जब तक यह तैयार नहीं हो जाते तब तक इनकी निगरानी भी विभाग अमला करेगा। निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने वन अमला अभी से आवश्यक व्यवस्था बनाने में जुट गया है। पर्यावरण संरक्षण और धरती को हरा-भरा बनाने के लिए एक बार फिर जिले में बड़े पैमाने पर पौधरोपण किया जाएगा। मानसून सीजन में वन विभाग द्वारा करीब साढ़े चार लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इस हिसाब से कार्ययोजना तैयार की गई है।

जून से काम शुरू

जून के आखिरी सप्ताह से पौधरोपण अभियान शुरू हो गया है जो जुलाई और अगस्त तक चलेगा। अलग-अलग तहसील और वन परिक्षेत्र में पौधरोपण किया जाएगा। विभाग पिछले कुछ सालों से लगातार बड़े पैमाने पर पौधे रोपे रहा है। पिछले साल धार के पास सिटी फॉरेस्ट के रूप में जमनजत्ती पर पौधे लगाए गए थे। वहां नीलगाय ने नुकसान किया था। आठ हजार पौधों में बड़ी मुश्किल से तीन से चार हजार पौधे ही जिंदा बचे। विभाग द्वारा पहाड़ी पर पौधों को पानी देने के लिए पाइप लाइन सहित ड्रिप बिछाई जा रही है। विभाग का दावा है कि इस बार जमनजत्ती पर 10 से 20 हजार पौधे लगाए जाएंगे। सागवान, बांस और नीम सहित 20 प्रजाति के पौधे विभाग द्वारा वृदस्तर पर पौधरोपण का प्लॉन बनाया गया है। इसमें खाली वन क्षेत्र में सागवान, नीम और बांस सहित 20 से अधिक प्रजाति के पौधे लगाए जाएंगे। जिले की भागोलिक स्थित और वातावरण अनुकूलता के साथ पौधों का चयन किया गया है।

जिला मुख्यालय के आसपास ज्यादा लगेंगे पौधे

विभाग द्वारा जो प्लॉन बनाया गया है, उसके अनुसार धार सहित तिरला सब रेंज में नीमखेड़ा, चाकल्या, उकाला, सादढिय़ा कुआं, पर्वतपुरा में पौधे रोपे जाएंगे। इसी प्रकार बाग क्षेत्र में बाग, चिकापोटी, गंधवानी, टांडा में जीराबाद, सरदारपुर में अमझेरा, केशवी, बदनावर में राजोद, बख्तगढ़ और धामनोद में उमरबन क्षेत्र के सांवलाखेड़ी में पौधरोपण किया जाएगा। इस बार डीएफओ अशोक कुमार सोलंकी द्वारा पौधे लगाने के साथ विशेष रूप से उनकी मॉनिटरिंग के निर्देश दिए हैं की जहां-जहां पौधे लगे हैं उनकी देखरेख भी उसी प्रकार से की जाए कि वह बड़े होकर एक वृक्ष का रूप ले सके।

चार लाख से अधिक गड्ढे खोदे

डीएफओ अशोक सोलंकी ने बताया कि पौधरोपण के लिए अलग-अलग क्षेत्रों में चार लाख 35 हजार गड्ढे खोदे गए हैं। जहां बारिश के दौरान पौधे लगाए जाएंगे। करीब 755 हेक्टेयर में पौधरोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके हिसाब से विभागीय नर्सरियों में पौधे तैयार किए गए हैं। वही जिले के अलग अलग परिक्षेत्र में किंतनी जमीन में कितने पौधे लगाए जाएंगे और किंतनी सख्या में रोपने का काम किया जायेगा। वही सबसे ज्यादा टांडा के नरवाली में पौधारोपण किया जाएगा। जहां 63 हजार पौधे लगेंगे वही सरदारपुर के भारतगढ़ में 40 हजार पौधे लगाए जाएंगे।

मरीजों को मिलेगी सारी सुविधा

11 करोड़ से की लागत से बना दो मंजिला भवन

हमारा स्वराज । धार

आदिवासी बाहुल्य सरदारपुर विधानसभा में करीब 11 करोड़ की लागत से सिविल अस्पताल का दो मंजिला भवन तैयार हो चुका है। जल्द ही इसका लोकार्पण होकर मरीजों उपचार का लाभ मिलेगा। निजी अस्पताल जैसी सुविधाएं मिलेगी।

वर्तमान में यहां पर 30 बैड का सिविल अस्पताल संचालित हो रहा है। लेकिन नया भवन 50 बैड का है। वैसे अस्पताल के भवन को इस तरह बनाया गया है कि यदि इसे भविष्य में 100 बैड में परिवर्तित करना पडे तो इसी अस्पताल दो दो मंजिल अतिरिक्त बनाई जा सकती है। इस भवन में 60 कक्ष बनाये गये हैं। यहां सीढ़ियों के साथ रैंप भी बनाया है।

तल मंजिल में दो प्रवेश द्वार है, जिनमें एक से उपचार के लिए आने वाले मरीजों की एंट्री होंगी। वहीं दूसरे गेट से से डॉक्टर एंव अन्य स्टाफ प्रवेश करेगा। प्रवेश द्वार पर पूछताछ काउंटर होगा।

पहली मंजिल पर यह मिलेगी सुविधा: पहली मंजिल पर आशा वर्कर कक्ष, ओपीडी आयुष, स्टोर कक्ष, मीटिंग हॉल, रक्तभंडारण इम्मुनाइजेसन, आफीस, मेट्रेन, हॉस्पिटल मैनेजर कक्ष, इलेक्ट्रीक कक्ष, स्टोर कक्ष, डॉक्टर कक्ष, नर्स स्टेशन कक्ष, एमसीएच कक्ष, एचडीओ कक्ष, पोस्ट ऑपरेटिंग वार्ड,

क्लीन युटीलिटी, प्री ऑपरेटिव वार्ड, स्टोर कक्ष, डॉक्टर चैंज कक्ष, नर्स चैंज कक्ष, प्रसाधन सहित पुरूष व महिला प्रसाधन कक्ष की सुविधा होगी।

नये सिविल अस्पताल भवन में गायनिक डॉक्टर के आने के बाद सोनोग्राफी की सुविधा मिलेगी। अभी पुराने भवन मे माइनर ओटी है। नए भवन में मेजर ओटी मे सर्जन के द्वारा कई प्रकार के ऑपरेशन किये जा सकेंगे। यही नहीं, इसी भवन में बच्चों के 20 बैड का पोषण पुनर्वास केंद्र का भी संचालन होगा। भवन सीसीटीवी कैमरों की निगरानी मे होगा। साथ ही फायर अलार्म सिस्टम लगा हुआ है। कोई धूम्रपान करता है तो उसके धुए से अलार्म बज जाएगा।

बिजली के इमरजेंसी व्यवस्था में जनरेटर के साथ ही सोलर एनर्जी की भी व्यवस्था होगी। साथ ही आईसीयू मे हर बैड पर ऑक्सीजन सुविधा मरीजों को मिलेगी।

सीबीएमओ डॉ. अरुण मोहरानी ने बताया कि सिविल अस्पताल का नया भवन आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। मरीजों को एक ही भवन के अंदर सारी सुविधाएं मिल जाएगी। उन्होंने बताया कि हमारा प्रयास रहेगा की सिविल अस्पताल में मरीजों को हर वह स्वास्थ्य सुविधा आसानी से मिले, जो उन्हें निजी अस्पतालों में बड़ी मात्रा में पैसा खर्च करने के बाद मिलती है। डॉ. मोहरानी ने बताया कि अस्पताल में पर्याप्त स्टाफ है। भविष्य में अस्पताल मे डंक एसी की सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। जो भी सुविधाओं की कमी होगी, उसे बढाया जाएगा। सिविल अस्पताल को इस क्षैत्र का श्रेष्ठ सरकारी अस्पताल बनाया जाएगा ताकि यह सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं का एक आदर्श उदाहरण बने।

अर्न्तराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025

एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत पौधारोपण

हमारा स्वराज । धार

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, धार में अर्न्तराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अंतर्गत वर्षा श्रीवास, बैंक प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता जिला धार की अध्यक्षता एवं के. के. रायकवार बैंक मुख्य कार्यपालन अधिकारी की उपस्थिति में मंगलवार सुबह 9.30 बजे 'एक पेड़ माँ के नाम' अंतर्गत पौधारोपण का कार्यक्रम मुख्यालय परिसर धार में आयोजित किया गया।सर्वप्रथम बैंक प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता जिला धार एवं बैंक मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा मुख्यालय परिसर में 'एक पेड़ माँ के नाम' अंतर्गत पौधारोपण किया गया एवं मुख्यालय परिसर में सहकारिता ध्वज का ध्वजारोहण किया गया। बैंक प्रशासक महोदय द्वारा उक्त कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारी कर्मचारियों को भी आगामी मानसून सीजन में पौधारोपण किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। इस अवसर पर ममता शुक्ला, स्थापना अधिकारी, सौरव सिंह समकारिया, विपणन अधिकारी, विकास लाड, लेखा कक्ष प्रभारी, अंकित परमार, योजना एवं विकास कक्ष प्रभारी, संजय लुहाडिया, प्रभारी शाखा प्रबंधक मुख्यालय शाखा धार एवं तेजप्रताप सिंह, सिविल उपंयत्री एवं समस्त मुख्यालय एवं शाखा के कर्मचारी उपस्थित थे।

जलगंगा संवर्धन अभियान के समापन

नगर निगम उज्जैन को प्रथम आने पर सीएम ने किया सम्मानित

हमारा स्वराज । भोपाल

जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन अवसर पर जिला खंडवा में आयोजित मुख्य समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 10 नगरीय निकायों को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा पुरस्कृत किया गया। जिसके क्रम में 1 लाख से 10 लाख तक की आबादी वाले शहरों में उज्जैन नगर निगम के प्रथम आने एवं जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विभिन्न घटकों में सराहनीय कार्य करने पर सम्मानित किया गया।

पुरस्कार महापौर मुकेश टटवाल एवं निगम आयुक्त आशीष पाठक द्वारा ग्रहण किया गया। जनगंगा अभियान में उज्जैन नगर निगम को 1 लाख से 10 लाख तक की आचादी वाले शहरों में प्रथम स्थान प्राप्त होने पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण नगर निगम मुख्यालय स्थिति अटल बिहारी बाजपेयी सभागृह में निगम सभापति कलावती यादव के मुख्य आतिथ्य एवं एमआईसी सदस्य दुर्गा चौधरी, शिवेंद्र तिवारी, जोन अध्यक्ष सुशील श्रीवास, अपर आयुक्त पवन कुमार सिंह, अपर आयुक्त वित्त पुनीत शुक्ला उपायुक योगेंद्र सिंह पटेल, मनोज मौर्य, संजेश गुमा को उपस्थिति में किया गया। खण्डवा में आयोजित कार्यक्रम में नगर निगम उज्जैन की पुरस्कार प्रास होने पर निगम अध्यक्ष कलावती यादव द्वारा समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों को बधाई दी गई।

इस दौरान सहायक आयुक्त प्रदीप सेन, राघवेंद्र सिंह पलिया, रविकांत मगरदे, घनश्याम मेचार, प्रवीण मुकाती, पवन कुमार फुलफकौर, जनसम्पर्क अधिकारी पवन कुमार एवं नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

अनवर कादरी उर्फ डकैत पर रासुका की कार्रवाई

हमारा स्वराज । इंदौर

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी आशीष सिंह ने इंदौर में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से बड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने अनवर कादरी उर्फ डकैत पिता असलम कादरी निवासी 44 सदर बाजार को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम में निरूद्ध करने के आदेश जारी किये है। अनवर कादरी उर्फ डकैत के विरूद्ध विभिन्न थाना क्षेत्रों में 18 अपराध पंजीबद्ध है। अनवर कादरी उर्फ डकैत लंबे समय से अपराधिक गतिविधियों में संलग्न है।

विनेश फोगाट के घर गूंजी किलकारी, बेटे को दिया जन्म

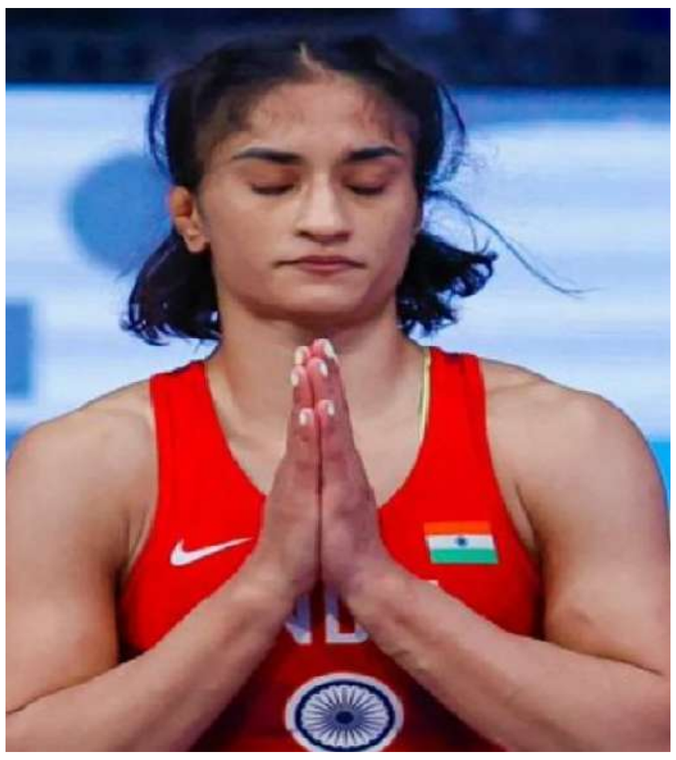

हमारा स्वराज। नई दिल्ली

रेसलर और जुलाना से कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट ने अपने जीवन में एक नया अध्याय जोड़ा है। उन्होंने दिल्ली के अपोलो अस्पताल में एक बेटे को जन्म दिया।

विनेश ने 6 मार्च 2025 को इंस्टाग्राम पर एक खास पोस्ट के जरिए दी थी। उन्होंने अपने पति सोमवीर राठी के साथ एक खूबसूरत फोटो शेयर की थी। विनेश के ससुर राजपाल राठी ने बताया कि विनेश फोगाट की डिलीवरी ऑपरेशन के जरिए हुई और पुरी तरह सुरक्षित रही, मां बेटा दोनों स्वस्थ हैं। बता दें कि, विनेश और सोमवीर राठकी शादी 14 दिसंबर 2018 को हुई थी। सोमवीर राठी भी पूर्व भारतीय पहलवान हैं। दोनों की पहली मुलाकात 2011 में हुई थी। तब दोनों रेलवे में नौकरी करते थे। धीरे-धीरे दोनों में दोस्ती हुई और फिर दोनों एक-दूसरे को दिल दे बैठे।

इसके बाद सोमवीर राठी ने 2018 में एयरपोर्ट पर विनेश को प्रपोज किया और फिर शादी के बंधन में बंध गए। इन दोनों की शादी भी काफी अलग थी। दरअसल, विनेश फोगाट और सोमवीर राठी ने 7 नहीं, बल्कि 8 फेरे लिए थे। हिन्दु रीति रिवाज में शादी में 7 फेरे ही लिए जाते हैं। लेकिन इन दोनों ने आठवां फेरा सामाजिक मुद्दे यानी बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, बेटी खिलाओ को समर्पित किया था। जिसके चलते इनकी शादी काफी सुर्खियों में रही थी।

CAT ने 11 की मौत के लिए RCB ठहराया जिम्मेदार

हमारा स्वराज। नई दिल्ली

4 जून को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ के लिए केंद्रीय प्रशासनिक न्यायधिकरण (CAT) ने आरसीबी प्रबंधन को जिम्मेदार माना है।

CAT ने कहा है कि, आरसीबी प्रबंधन ने बिना पुलिस की अनुमति के सोशल मीडिया पर अचानक विजय जुलूस की घोषणा कर दी जिससे लाखों की भीड़ जमा हो गई और उसमें भगदड़ मच गई। बता दें कि, इस भगदड़ में 11 लोगों की जान चली गई जबकि 55 से ज्यादा लोग घायल हुए। CAT की बेंगलुरु पीठ के जस्टिस बीके श्रीवास्तव और प्रशासनिक सदस्य संतोष मेहरा ने आदेश में कहा कि, प्रथम दृष्टया ऐसी प्रतीत होती है कि आरसीबी लगभग 3 से 5 लाख लोगों की भीड़ के लिए जिम्मेदार है। आरसीबी ने राज्य की पुलिस से आवश्यक अनुमति या सहमति नहीं ली। उसने अपनी आईपीएल 2025 की जीत का जश्न मनाने के लिए अचानक सोशल मीडिया पर जानकारी पोस्ट की और उसी के परिणामस्वरूप लोगों की भीड़ जमा हो गई।

साथ ही CAT ने कहा कि, समय की कमी के कारण,पुलिस उचित व्यवस्थान करने में असमर्थ थी। पुलिस से ये उम्मीद नहीं की जा सकती है कि लगभग 12 घंटे के छोटे समय में वह सभी आवश्यक व्यवस्थाएं कर लेगी। CAT ने आगे कहा कि, पुलिसकर्मी भी इंसान ही हैं। वे न तो भगवान हैं और न ही कोई जादूगर हैं। उनके पास अल्लादीन के चिराग जैसी कोई जादुई शक्तियां नहीं है कि वे उंगली रगड़कर कोई भी इच्छा पूरी कर सकें।

मंधाना की टी20 रैंकिंग में बड़ी छलांग, नंबर-1 के करीब पहुंची भारतीय स्टार

हमारा स्वराज। नई दिल्ली

आईसीसी ने अपनी ताजा टी20 रैंकिंग का ऐलान किया है। इस दौरान भारतीय स्टार ओपनर स्मृति मंधाना ने एक बार खुद को साबित कर दिया है। मंधाना को दुनियाभर में बेहतरीन बल्लेबाजों के रूप में गिना जाता है। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 में 62 गेंदों में 112 रन की तूफानी पारी खेलने के बाद मंधाना आईसीसी की महिला टी20 इंटरनेशनल बैटर रैंकिंग में तीसरे पायदान पर पहुंच गई है। ये मंधाना का टी20 में पहला शतक था, जो उन्होंने अपने 149वें मैच में लगाया। 12 साल बाद उन्होंने क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में शतक का सूखा खत्म किया। उनकी पारी की मदद से भारत ने इंग्लैंड को पहले टी20 मैच में 97 रन से हराया। इसी पारी के दम पर मंधाना को रैंकिंग में बड़ा फायदा

हुआ। मंधाना के पास 771 रेटिंग अंक है और वह उन्होंने नई करियर-सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की है। स्मृति मंधाना नंबर 1 पर काबिज बेथ मूनी से महज 23 अंक ही पीछे हैं। इसके अलावा इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में 20 रन की पारी खेलने वाली भारतीय सलामी बल्लेबाज शैफाली वर्मा को भी फायदा हुआ है। शेफाली भी एक स्थान ऊपर बढ़कर 13वें पायदान पर पहुंच गई है। वहीं, उनकी साथी खिलाड़ी हरलीन देओल ने 43 रन की अपनी तेजतर्रार पारी के बाद बल्लेबाजों की रैंकिंग में फिर से एंट्री की और वह संयुक्त रूप से 86वें स्थान पर हैं।

यश दयाल की कथित गर्लफ्रेंड ने किया नया धमाका

हमारा स्वराज। नई दिल्ली

आरसीबी के स्टार गेंदबाज यश दयाल की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। गाजियाबाद में इंदिरापुरम की रहने वाली युवती ने यश दयाल के खिलाफ सेक्सुअल हैरसमेंट का केस किया है। युवती ने यश दयाल पर कई गंभीर आरोप भी लगाए हैं। इस बीच सोशल मीडिया पर दोनों की कथित ऑनलाइन चैट का स्क्रीनशॉट भी वायरल हो रहा है। हालांकि, अभी इस वायरल चैट की पुष्टि नहीं हुई है कि ये सच है या गलत। युवती ने यश के खिलाफ मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक शोषण का आरोप लगाया था। वहीं युवती ने सोशल मीडिया पर लिखा कि, मैंने तुम्हें जाने देने की कोशिश की और सब कुछ भगवान के हाथों में छोड़ दिया, लेकिन जिस तरह से तुम मेरी जैसी लड़कियां को बरगला रहे हो। शायद ये सभी के लिए एक

आंख खोलने वाला अनुभवी होगा। मुझे उम्मीद है कि तुम्हारा परिवार तुम्हें वफादारी और ईमानदारी के बारे में कुछ सिखाएगा। ये सफलता नहीं है। सच्ची सफलता रिश्तों में स्पष्टता, ईमानदारी और पवित्रता लाती है। लड़कियों के प्रति इस्तेमाल करो और फेंक दो की नीति नहीं। मैं और भी बहुत कुछ कह सकती हूं, लेकिन अब मैं अपने भीतर और गहराई में जाना चाहती हूं। युवती ने आगे लिखा कि, मैं कर्म में विश्वास करती हूं इसलिए मैंने तुमसे अलग होने का फैला किया।

व्यापार

आम फलों का राजा कहलाता 'था', केले ने कैसे बादशाहत छीनी? लगातार टॉप पर

हमारा स्वराज। नई दिल्ली

भारत का राष्ट्रीय फल आम अपने मीठे स्वाद, समृद्ध सांस्कृतिक प्रतीकवाद और उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, बिहार और महाराष्ट्र में व्यापक खेती के लिए जाना जाता है।

ऐतिहासिक रूप से आमों ने मूल्य के मामले में देश की फल अर्थव्यवस्था पर अपना दबदबा बनाए रखा है, जो किसानों और बाजारों के लिए उनके महत्व को रेखांकित करता है। अल्फांसो, दशहरी, लंगड़ा और केसर जैसी किस्मों के साथ, भारत दुनिया का सबसे बड़ा आम उत्पादक है। यह फल न केवल एक व्यावसायिक फसल है, बल्कि भारत की संस्कृति और व्यंजनों का एक पारंपरिक हिस्सा है। इसका उपयोग अचार से लेकर मिठाइयों और जूस तक हर चीज में किया जाता है। हालाँकि, हाल ही में केले ने आमों को चुनौती दी है। देश में फल उत्पादन तेजी से बढ़ रहा है। 2011-12 से लेकर 2023-24 के बीच 12 वर्षों के दौरान देश का कुल फ्रूट जीवीओ 3.48% सालाना की दर से बढ़ा। संतरे

का जीवीओ 2011-12 में 9,000 करोड़ रुपए था, जो 2023-24 में बढ़कर 15,500 करोड़ रुपए हो गया। नींबू का जीवीओ 4,800 करोड़ रुपए से बढ़कर 12,300 करोड़ रुपए हो गया और अनार का जीवीओ 2,100 करोड़ रुपए से बढ़कर 9,200 करोड़ रुपए हो गया। केले और आम के अलावा अन्य फलों की कैटेगरी में ये तीन फलों का उत्पादन सबसे ज्यादा हुआ।

फाउंडर करते रह गए 70 घंटे काम की सिफारिश

मैनेजमेंट की कर्मचारियों को दो टूक- ज्यादा वर्क लोड नहीं लेना

हमारा स्वराज। नई दिल्ली

संस्थापक नारायण मूर्ति के 70 घंटे के कार्य सप्ताह के सुझाव के विपरीत, इन्फोसिस अपने कर्मचारियों से 'वर्क लाइफ बैलेंस' बनाए रखने को कह रही है तथा उन्हें ओवरटाइम काम करने के खिलाफ चेतावनी दे रही है। एक आंतरिक अभियान में बेंगलुरु मुख्यालय वाली कंपनी ने कर्मचारियों को व्यक्तिगत रूप से ईमेल भेजे, जिसमें उनसे नियमित कार्य घंटों का पालन करने का आग्रह किया गया। एक कर्मचारी ने इकोनॉमिक टाइम्स को बताया हमें सप्ताह में पांच दिन 9.15 घंटे काम करना होता है और अगर हम दूर से काम करते हुए इस सीमा को पार कर जाते हैं, तो यह ट्रिगर को बढ़ावा देता है।

इस व्यक्तिगत मेल को प्राप्त करने वालों को यह भी बताया जा रहा है कि उनके पिछले महीने के औसत कार्य घंटे कंपनी की मानक सीमा से अधिक थे। मानव संसाधन विभाग कर्मचारी के कार्य घंटों पर नजर रखता है तथा यदि किसी कर्मचारी ने एक महीने में घर से काम करते हुए अधिक समय बिताया है तो उसे ई-मेल भेजता है। ईमेल में कथित तौर पर कर्मचारियों को

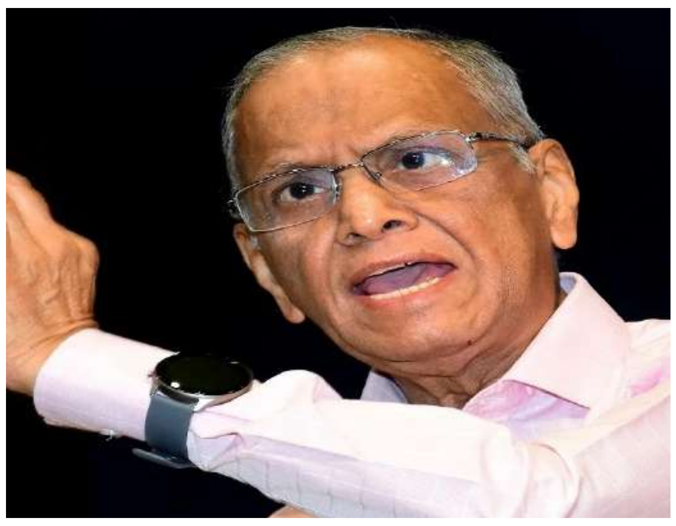

अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने और कार्य-जीवन संतुलन बनाए रखने की याद दिलाई गई है, ताकि वे दीर्घकाल में काम पर अपनी प्रभावशीलता और सफलता सुनिश्चित कर सकें। एचआर द्वारा भेजे गए ईमेल का हवाला ईटी ने दिया है। जिसमें कहा गया है कि हम आपकी प्रतिबद्धता की सराहना करते हैं, लेकिन हम यह भी मानते हैं कि स्वस्थ कार्य-जीवन संतुलन बनाए रखना आपकी भलाई और दीर्घकालिक व्यावसायिक सफलता दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। ईमेल में आगे कहा गया है कि हम समझते हैं कि काम की मांग और समय-सीमा कभी-कभी लंबे घंटों की ओर ले जा सकती है। हालांकि, उत्पादकता और समग्र खुशी को बढ़ाने के लिए संतुलित कार्य-जीवन अनुसूची बनाए रखना महत्वपूर्ण है। अपने कार्यदिवस के दौरान नियमित रूप से ब्रेक लें; अपने प्रबंधक को बताएं कि क्या आप अभिभूत महसूस कर रहे हैं या प्राथमिकताओं की समीक्षा करने में सहायता की आवश्यकता है। अपने प्रबंधक से कार्यों को सौंपने या कुछ जिम्मेदारियों को उचित रूप से पुनर्वितरित करने के बारे में बात करें।

Kalpataru का शेयर सपाट शुरुआत के बाद 9% अधिक

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी कल्पतरु लिमिटेड के शेयर ने 414 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले मंगलवार को बाजार में सपाट शुरुआत की, लेकिन जल्द ही वापसी करते हुए यह नौ प्रतिशत से अधिक चढ़ गया। बीएसई पर शेयर ने 414.10 रुपये पर शुरुआत की। बाद में इसमें तेजी आई और यह निर्गम मूल्य के मुकाबले 9.42 प्रतिशत चढ़कर 453 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर शेयर निर्गम मूल्य 414 पर ही सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 9.37 प्रतिशत चढ़कर 452.80 रुपये पर पहुंच गया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन शुरुआती कारोबार के दौरान 9,121.99 करोड़ रुपये रहा।

सस्ता हुआ व्यवसायिक गैस सिलेंडर

हमारा स्वराज। नई दिल्ली

तेल विपणन कंपनियों ने घोषणा की कि 19 किलोग्राम वाले एलपीजी वाणिज्यिक गैस सिलेंडर की कीमतों में 58.50 रुपये की कमी की जाएगी, जिससे नई दर 1,665 रुपये हो जाएगी, जो 1 जुलाई 2025 से प्रभावी होगी। संशोधित कीमतें रेस्तरां, होटल और अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को बहुत जरूरी राहत प्रदान करेंगी जो अपने दैनिक कार्यों के लिए 19 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर पर बहुत अधिक निर्भर हैं। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (IOCL) की वेबसाइट के अनुसार, एलपीजी की नई कीमतें 1 जुलाई 2025 से लागू हो गई हैं। प्रमुख शहरों में 19 किलोग्राम के वाणिज्यिक

एलपीजी सिलेंडर की कीमत कम कर दी गई है, जिससे वाणिज्यिक उपयोगकर्ताओं को राहत मिली है।

दिल्ली: 1,723.50 रुपये से घटकर 1,665.00 रुपये - 58.50 रुपये की कटौती

कोलकाता: 1,826.00 रुपये से घटकर 1,769.00 रुपये - 57.00 रुपये की कटौती

मुंबई: 1,674.50 रुपये से घटकर 1,616.50 रुपये - 58.00 रुपये की कटौती

चेन्नई: 1,881.00 रुपये से घटकर 1,823.50 रुपये - 57.50 रुपये की कटौती

गौरतलब है कि वाणिज्यिक एलपीजी की कीमतों में यह लगातार चौथी बार मासिक कटौती है। इससे पहले जून में एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 24 रुपये की कटौती की गई थी। उससे पहले एक मई को कीमतों में 14.50 रुपये प्रति सिलेंडर की कटौती की गई थी और अप्रैल में कीमतों में 41 रुपये प्रति सिलेंडर की कटौती की गई थी।

अब दिल्ली में पेट्रोल पंप पर लगे नंबर प्लेट रीडर कैमरे

दिल्ली ने आधिकारिक तौर पर 10 साल से ज़्यादा पुराने डीज़ल वाहनों और 15 साल से ज़्यादा पुराने पेट्रोल वाहनों को ईंधन की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है जिसे निगरानी तकनीक के ज़रिए लागू किया जा रहा है। यह कदम वायु प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली सरकार के प्रयास का हिस्सा है। साल 2018 में उच्चतम न्यायालय ने अपने फैसले में दिल्ली में 10 साल से पुराने डीजल वाहनों और 15 साल से पुराने पेट्रोल वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया था। राष्ट्रीय हरित अधिकरण के 2014 के एक आदेश में भी सार्वजनिक स्थानों पर 15 साल से पुराने वाहनों की पार्किंग पर रोक लगाई गई थी। प्रदूषण पर लगाम लगाने और राजधानी की सड़कों से एंड-ऑफ़-लाइफ़ (ईओएल) वाहनों को हटाने के उद्देश्य से की जा रही इस कार्रवाई को पेट्रोल स्टेशनों पर लगाए गए स्वचालित नंबर प्लेट पहचान (एएनपीआर) कैमरों के ज़रिए लागू किया जा रहा है, साथ ही दिल्ली परिवहन विभाग और पुलिस की ऑन-ग्राउंड टीमें भी काम कर रही हैं।मंगलवार को कड़ी सुरक्षा के बीच पुरानी गाड़ियों को पेट्रोल-डीजल देने पर प्रतिबंध की शुरुआत हुई।

हमारा स्वराज
भोपाल, बुधवार, 02 जुलाई 2025

बामौरकलां पुलिस ने हत्या के मामले में चार फरार आरोपियों को दबोचा

हमारा स्वराज। शिवपुरी

शिवपुरी जिले की बामौरकलां पुलिस ने एक जमीनी विवाद में हुई हत्या के मामले में फरार चल रहे चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना 27 जून 2025 को घटित हुई थी, जिसमें बृगभान यादव नामक व्यक्ति की मौत हो गई थी और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 27 जून को फरियादी इंद्रपाल यादव ने थाना बामौरकलां में शिकायत दर्ज कराई थी कि महेश सेन, नीलम यादव, नाहर सिंह यादव, बुन्देल यादव, रावसाहब यादव, संजीव सेन, अनिल सेन (सभी ग्राम खिरिया निवासी), राजीव सेन, उस्ताज सेन, संदीप सेन, रिंकेश सेन (सभी नयागांव निवासी), रामदयाल सेन और धर्मेन्द्र सेन (सभी कालीपहाड़ी निवासी) ने जमीनी विवाद के चलते उनके पिता बृगभान यादव और अन्य परिवारजनों पर लाठी, डंडे, फरसा और कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला किया था। इस हमले में बृगभान यादव की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि इंद्रपाल यादव, सालिगराम यादव, रामराजा यादव, लालसाहब यादव, अरविंद यादव, कृष्णपाल यादव और वीरपाल यादव गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इस संबंध में बामौरकलां थाने में अपराध क्रमांक 78/2025, धारा 103(1), 109, 191(2), 191(3), 190, 115(2), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक शिवपुरी, अमन सिंह राठौड़ ने फरार आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी संजीव मुले और अनुविभागीय अधिकारी पिछोर प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में पुलिस टीम लगातार आरोपियों की तलाश कर रही थी। इसी क्रम में 1 जुलाई को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने दबिश देकर चार फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान उस्ताज पुत्र स्व. उमेद सेन (50 वर्ष), राजीव पुत्र उस्ताज सेन (24 वर्ष), संजीव पुत्र उस्ताज सेन (18 वर्ष) निवासीगण नयागांव और संजीव उर्फ संदीप पुत्र महेश सेन (23 वर्ष) निवासी ग्राम खिरिया के रूप में हुई है। इन सभी आरोपियों को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी) न्यायालय खनियाधाना के समक्ष पेश किया जाएगा। इस सराहनीय कार्रवाई में थाना प्रभारी बामौरकलां उनि राज कुमार सिंह, सउनि दिनेश पाण्डेय, सउनि संदीप कुजूर, आरक्षक राजकुमार सिंह गुर्जर, आरक्षक शंकर भाबर, आरक्षक पंकज साहू, आरक्षक हरीकृष्ण जाट, आरक्षक परवेन्द्र रावत और आरक्षक चालक सत्यवीर गुर्जर की भूमिका रही।

पट्टेदारों और खदान धारकों को मानसून से पहले खुले गड्ढों के प्रबंधन का निर्देश दिया

अशोकनगर। कलेक्टर आदित्य सिंह ने सभी पट्टेदारों और खदान धारकों को मानसून 2025 से पहले बंद पड़ी खदानों और खनन के बाद छूटे हुए खुले गड्ढों का उचित प्रबंधन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। यह निर्देश शासन द्वारा बाढ़ और अत्यधिक वर्षा से बचाव के संबंध में जारी किए गए हैं। कलेक्टर ने आगाह किया है कि इन खुले और छूटे हुए स्थानों/गड्ढों में जल भराव की स्थिति में जनहानि और पशुहानि की संभावना है। इसलिए, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि स्वीकृत खदान क्षेत्रों में ऐसे उपाय किए जाएं जिनसे बाढ़ और अत्यधिक वर्षा की स्थिति में खनन गतिविधियों से बने गड्ढों में पानी भरने से किसी भी प्रकार की हानि को रोका जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया है कि मानसून 2025 में वर्षा शुरू होने से पहले सभी आवश्यक सावधानियां बरतते हुए समुचित कार्यवाही की जाए। कलेक्टर ने सख्त लहजे में कहा है कि शासन द्वारा जारी इन निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए, अन्यथा उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

नगर परिषद शाढ़ौरा के

पीएम आवास योजना के पात्र 1877 हितग्राही होगें लाभान्वित

हमारा स्वराज। अशोकनगर

नगर परिषद शाढ़ौरा में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के बीएलसी घटक अंतर्गत जांच में बिना कारण दर्शाये घोषित 1924 हितग्राहियों की पुनः जांच कर आवास प्रदाय कराने के संबंध में पांच दलों का गठन किया गया था। पांचों दलों द्वारा जांच पूरी कर रिपोर्ट कलेक्टर को प्रस्तुत कर दी गई है। कलेक्टर आदित्य सिंह द्वारा उक्त अनुमोदित सूची में पात्र 1877 एवं अपात्र 38 हितग्राही पाये गये है। कलेक्टर द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारी शाढौरा को उक्त पात्र 1877 हितग्राहियों को नियमानुसार प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय किश्त प्रदाय कर आवास निर्माण का कार्य समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दे दिये गये है। नगर परिषद शाढौरा में लंबित प्रधानमंत्री आवास योजना का कार्य प्रारंभ हो गया है।

अशोकनगर में नए आपराधिक कानूनों का एक साल

तकनीक से न्याय हुआ तेज़ और पारदर्शी

हमारा स्वराज। अशोकनगर

अशोकनगर में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता जैसे नए आपराधिक कानूनों के सफलतापूर्वक लागू होने के एक साल पूरे होने पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उप पुलिस महानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक अशोकनगर विनीत कुमार जैन के निर्देश और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अशोकनगर गजेंद्र सिंह कंवर के मार्गदर्शन में हुए इस आयोजन में, इस 'डिजिटल युग में पुलिस और न्याय प्रणाली के तकनीकी सशक्तिकरण' के रूप में मनाए गए साल की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया।

नए आपराधिक कानून लागू होने के बाद अशोकनगर जिले में कुल 4852 अपराध इन नई धाराओं के तहत दर्ज किए गए हैं। Inter-operable Criminal Justice System (ICJS) प्रणाली ने पुलिस, अभियोधन, न्यायालय, जेल और स्वास्थ्य विभागों के बीच बेहतर तालमेल बिठाया है। इस डिजिटल समन्वय से न्यायिक प्रक्रियाएं अब पहले से कहीं अधिक पारदर्शी, प्रभावी और समयबद्ध हो गई हैं। इन नए कानूनों के तहत कई प्रमुख डिजिटल पहलें शुरू की गई हैं, जिन्होंने न्याय प्रणाली को मजबूत किया है। ई-कोर्ट, ई-समन और वारंट मॉड्यूल के माध्यम से अब सभी कानूनी दस्तावेज़ों की प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन है, जिससे समय और संसाधनों की बचत हो रही है। MedLeaPR पहल के तहत अस्पतालों से सीधे एमएलसी (Medico-Legal Case) और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का समावेश हुआ है। इस अवधि में जिले के सभी थानों ने अस्पतालों को 1653 एमएलसी और 322 पीएम (पोस्टमार्टम) फॉर्म ऑनलाइन भेजे। ई-प्रिजन और ऑनलाइन पेशी प्रणाली के तहत अभियुक्तों की पेशी अब वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए हो रही है, जिससे यह प्रक्रिया और भी सुगम और सुरक्षित हो गई है।

इसके अलावा, SC/ST मॉड्यूल और साक्ष्य ऐप संवेदनशील मामलों की निगरानी और डिजिटल साक्ष्य संग्रह में सहायक साबित हुए हैं। ICJS प्रणाली वास्तव में एक कागज़-रहित न्याय प्रणाली की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है, जो पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दे रहा है। क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स (CCTNS) के तहत भी महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल हुई हैं। ई-एफआईआर, ज़ीरो एफआईआर, ई-विवेचना, ई-साक्ष्य, ई-समन/वारंट तामीली जैसी सेवाएं अब ऑनलाइन उपलब्ध हैं, जिससे शिकायतकर्ताओं को त्वरित सेवा और न्याय सुनिश्चित हो रहा है। आम नागरिकों द्वारा MP Police Website/MP COP App/Citizen Portal के माध्यम से अब तक कुल 76 ई-एफआईआर दर्ज की गई हैं। पुलिस ने टैबलेट का उपयोग करते हुए 655 प्रकरणों में डिजिटल साक्ष्य, बयान और नक्शे मौके पर ही संकलित किए हैं। ई-साक्ष्य ऐप के ज़रिए 378 डिजिटल साक्ष्य (बयान, जब्ती, गिरफ्तारी आदि) 180 विवेचकों द्वारा तैयार किए गए। ई-रक्षक ऐप से ई-समन/वारंट की ऑनलाइन तामीली की गई, जिससे समय और संसाधनों की बचत हुई। इस अवधि में जिले के सभी थानों द्वारा 9121 समंस/वारंट ई-रक्षक के माध्यम से तामील कराए गए। अब किसी भी थाने में एफआईआर दर्ज कराई जा सकती है, जिसे आवश्यकतानुसार ज़ीरो एफआईआर के रूप में दर्ज कर संबंधित थाने को स्थानांतरित किया जाता है। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार, पुलिसकर्मियों को लगातार प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। ICJS, Investigation Tracking System for Sexual Offences (ITSSO), National Database on Sexual Offenders (NDSO), e-Rakshak, e-Vivechan मॉड्यूल्स पर नियमित प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिले के सभी थानों और कार्यालयों में कार्यरत कुल 325 पर्यवेक्षणकर्ता और अनुसंधानकर्ता अधिकारियों को दो दिवसीय प्रशिक्षण के 5 सत्रों में प्रशिक्षित किया गया है। इसके साथ ही, National Cybercrime Reporting Portal (NCRP) और Central Equipment Identity Register (CEIR) प्रणाली से साइबर अपराधों और गुम हुए मोबाइलों का त्वरित निराकरण संभव हो पा रहा है। इस तकनीकी दक्षता से थाना स्तर पर विवेचना और भी सशक्त हुई है। कुल मिलाकर, पिछले एक साल में नए आपराधिक कानूनों के सफल कार्यान्वयन और डिजिटल एकीकरण ने न्यायिक व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, त्वरित और जवाबदेह बनाया है। अशोकनगर पुलिस तकनीक के साथ कदम से कदम मिलाकर जनहित में कार्यरत है।

आम आदमी पार्टी का गुना में अनोखा प्रदर्शन

गड्ढों में गाड़ दिया भाजपा का झंडा कहा-अव्यवस्था का श्रेय भी तो लें

हमारा स्वराज। गुना

आम आदमी पार्टी ने मंगलवार को गुना में भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ एक अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी ने अपने विशेष अभियान जहां सड़क पर गड्ढा होगा, वहां भाजपा का झंडा होगा के तहत हनुमान टेकरी से सकतपुर जाने वाले मार्ग पर जलभराव वाले स्थान पर भाजपा का झंडा गाड़ दिया। आप का तर्क है कि भाजपा विकास का श्रेय लेने में सबसे आगे रहती है, इसलिए उसे अव्यवस्थाओं और जनता की परेशानियों का श्रेय भी लेना चाहिए।

इस अभियान का नेतृत्व करने के लिए आम आदमी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष रोहित गुप्ता गुना पहुंचे। उन्होंने टेकरी रोड पर हुए आंदोलन में भाग लिया और बाद में कार्यकर्ताओं के साथ दर्शन सह संवाद के तहत चर्चा की, संगठन विस्तार पर बात की, और पत्रकारों से भी बातचीत की। रोहित गुप्ता ने आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के संसदीय क्षेत्र गुना में सड़कों की हालत खस्ता है और जगह-जगह जलभराव हो रहा है। उन्होंने कहा कि अच्छी शिक्षा और अच्छी सड़कों के लिए आप का अभियान जारी रहेगा। गुप्ता ने भाजपा पर 20 साल सत्ता में रहने के बावजूद विकास न करने का आरोप लगाया और कहा कि स्कूलों में संसाधनों की कमी है, अस्पतालों में गरीबों के लिए इलाज नहीं है, और गुना के लोग मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। उन्होंने भाजपा सरकार को तानाशाहीपूर्ण बताते हुए कहा कि सरकार विरोधियों की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है और उसने अघोषित आपातकाल लगा रखा है। इस मौके पर चांचौड़ा विधानसभा की पूर्व प्रत्याशी ममता मीना भी मौजूद रहीं। उन्होंने दावा किया कि आम आदमी पार्टी जनता के हित की बात करने वाली एकमात्र पार्टी है।

ममता मीना का प्रियंका को जवाब, गलत काम नहीं करने दे रहे थे एसपीः ममता मीना ने सकतपुर रोड की बदहाली पर सत्तापक्ष पर सवाल उठाए। पूर्व विधायक ने लाड़ली बहनों को 3 हजार रुपए दिलाने के लिए आंदोलन और पदयात्रा आंदोलन करने की बात कही और बहनों के हक के लिए पुरजोर संघर्ष का संकल्प लिया। ममता मीना ने चांचौड़ा में वर्तमान विधायक प्रियंका मीना द्वारा एसपी पर लगाए गए आरोपों पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि एसपी अवैध धंधे नहीं चला सकते और टीआई का ट्रांसफर करना एसपी का अधिकार है। ममता मीना ने चांचौड़ा में विकास न होने और नगर पंचायतों में अवैधानिक नियुक्तियों का भी आरोप लगाया, जिसके लिए उन्होंने आरटीआई से जानकारी मांगने की बात कही। ममता मीना ने यह भी आरोप लगाया कि चांचौड़ा की स्थिति दयनीय हो गई है और अधिकारियों से पैसे मांगे जा रहे हैं और पैसे नहीं देने पर उनके साथ मारपीट की जा रही है।

महिला और पुरुषों ने रथ को खींच

युगल सरकार मंदिर से निकली भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा

हमारा स्वराज। अशोकनगर

अशोकनगर में मंगलवार शाम 4 बजे युगल सरकार मंदिर से भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली गई। पुरी की परंपरा पर आधारित इस यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। इस्कॉन के सदस्यों ने पूरे मार्ग में हरे कृष्णा हरे राम का कीर्तन किया। श्रद्धालुओं ने रस्सियों से रथ को खींचा और भजन-कीर्तन के साथ नृत्य किया। रथ यात्रा युगल सरकार मंदिर से शुरू होकर पछाड़ीखेड़ा चौराहा नया बस स्टैंड, HDFC चौराहा, विदिशा रोड होते हुए आगे बढ़ी। फिर पुराना बस स्टैंड, मिलन चौराहा और गांधी पार्क से होकर फुट ओवर ब्रिज तक पहुंची। यात्रा का समापन रात को श्री युगल सरकार मंदिर में होगा। मार्ग में स्थानीय लोगों ने जगह-जगह रथ पर पुष्पवर्षा की। श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ की आरती उतारी। यात्रा के हर पड़ाव पर भक्ति का माहौल दिखा। इस धार्मिक आयोजन ने सामाजिक एकता का संदेश दिया। शहरवासियों ने आयोजन की सराहना की। यात्रा ने धार्मिक भावना के साथ सामूहिक श्रद्धा का उदाहरण पेश किया।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनीं 417 आवेदकों की समस्याएं

हमारा स्वराज। अशोकनगर

अशोकनगर कलेक्टर आदित्य सिंह ने मंगलवार को अपनी साप्ताहिक जनसुनवाई में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से आए 417 आवेदकों की समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुना। उन्होंने आवेदकों से रूबरू होकर उनकी बातों को ध्यानपूर्वक सुना और प्राप्त आवेदनों पर त्वरित रूप से निराकरण के निर्देश मौके पर ही दिए। इस दौरान विभिन्न प्रकार के समस्यामूलक आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर कलेक्टर ने अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजेश जैन, अपर कलेक्टर मुकेश कुमार शर्मा, संयुक्त कलेक्टर आर.बी. सिंडोस्कर, डिप्टी कलेक्टर इसरार खान सहित जिले के समस्त वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे। जनसुनवाई में कई महत्वपूर्ण मामले सामने आए। ग्राम रूसल्ला निवासी पिस्ता बाई ने अपने पति का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने का आग्रह किया, जबकि ग्राम कुकरेठा निवासी रमकों बाई ने सीमांकन कराए जाने का आवेदन दिया। मुंगावली निवासी गिरराज विश्वकर्मा ने अपनी बच्ची का केंद्रीय विद्यालय में एडमिशन कराने की गुहार लगाई। ग्राम कूढई तूमैन के गैंदालाल ने अपने गांव में आंगनवाड़ी भवन के निर्माण की मांग की, वहीं ग्राम फुटेरा निवासी राजाराम ने अपनी मकान की जमीन को कब्जा मुक्त कराने का अनुरोध किया। अशोकनगर निवासी संतराम दांगी ने बिजली का बिल अधिक आने की शिकायत की, और अशोकनगर निवासी हरिनारायण श्रीवास्तव ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कुटीर स्वीकृत कराने हेतु आवेदन दिया। शाढौरा निवासी समिम बेग ने अपनी गली में सीसीरोड निर्माण कराने की बात कही। ग्राम सर्करा निवासी खुशबू शर्मा और ग्राम पिपनावदा निवासी अभिषेक ने बी.पी.एल. एवं आयुष्मान कार्ड बनवाने हेतु आवेदन दिए, जबकि छैघरा कॉलोनी अशोकनगर निवासी राजकुमार केवट और अशोकनगर निवासी नारायणी बाई ने अपने बी.पी.एल. कार्ड चालू कराने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किए। इन सभी प्राप्त आवेदनों पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल निराकरण के निर्देश दिए।

स्वामी वन टू वन मीडिया एंड कम्युनिकेशन के लिए मुद्रक/प्रकाशक जितेंद्र कोठारी द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11 प्रेस कॉम्पलेक्स एमपी नगर, जोन-1, भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं 42, निर्मल एंक्लेव, जैन नगर, लाल घाटी, भोपाल (म.प्र.) -462030 से प्रकाशित। संपादक- मृदुल जैन*, आरएनआई नं. MPHIN/2012/43383, मो. 83570-89000, Email: hamara.swaraj@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआरपी एक्ट के तहत जिम्मेदार।